हिन्दी समाचार पत्र

THE UNCOVERED UPDATE
सच जो छुपा था, अब सामने है

द अनकवर्ड अपडेट

कवर के पीछे की खबर | Digital Edition | RJHIN/25/A4779



www.hpnews.in/www.tniawaaz.in | जयपुर, बुधवार 18 नवंबर, 2026 | वर्ष: 01 | अंक: 24 | पृष्ठ: 8 | मूल्य: 2.00 रू.

गोपाष्टमी पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया गौ पूजन, प्रदेश की सुख-समृद्धि के लिए की कामना

पिंजरापोल गोशाला एवं जोतड़ावाला स्थित आश्रम गोशाला में की पूजा-अर्चना, गौ माता को खिलाई गुड़-रोटी

संतों का लिया आशीर्वाद, आमजन से किया आत्मीय संवाद





द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गोपाष्टमी के पावन अवसर पर मंगलवार को जयपुर के सांगानेर स्थित पिंजरापोल गोशाला तथा जोतड़ावाला स्थित बाबा संत श्री रामकरणदास जी महाराज एवं गुरुदेव श्री संत परमसुखदास जी महाराज आश्रम गोशाला पहुंचकर सपत्नीक गौ माता का विधि-विधान से पूजन किया। मुख्यमंत्री ने गौ माता को गुड़ एवं रोटी खिलाई तथा आरती उतारकर प्रदेश की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं जनकल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री ने पिंजरापोल गोशाला में भगवान श्रीकृष्ण एवं प्रतीकात्मक गोवर्धन पर्वत की पूजा-अर्चना भी की। उन्होंने जोतड़ावाला स्थित आश्रम में संतों से आशीर्वाद प्राप्त किया। साथ ही, राधा-कृष्ण मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की और भजन-कीर्तन का श्रवण भी किया। इस दौरान आमजन ने मुख्यमंत्री का माला एवं साफा पहनाकर अभिनंदन किया। वहीं, मुख्यमंत्री ने भी बुजुर्गों, महिलाओं एवं युवाओं से आत्मीयता के साथ मुलाकात की और उन्हें गोपाष्टमी की शुभकामनाएं दीं।

दिल्ली के विवेक विहार में पुरानी बिल्डिंग गिरी : एक बच्चे समेत 2 की मौत, लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका

नई दिल्ली।

दिल्ली के पूर्वी इलाके विवेक विहार में मंगलवार सुबह 10 बजे 2 मंजिला इमारत गिर गई। हादसे में एक व्यक्ति और बच्चे की मौत हो गई। इमारत के मलबे से 6-7 लोगों को निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया है। कुछ लोगों के दबे होने की आशंका है। बचाव दल इनकी तलाश कर रही है।

दिल्ली में इस साल बिल्डिंग गिरने से 21 मौतें, 5 बड़े हादसे

30 मई: सैदुलाजाब इलाके में वेस्टर्न मार्ग पर चार मंजिला व्यावसायिक इमारत ढह गई। इसमें कोचिंग सेंटर, कैफे और कार्यालय चल रहे थे। मलबा पास की कैंटीन पर भी गिरा, जहां छात्र मौजूद थे। हादसे में 6 लोगों की मौत हुई और 13 लोग घायल हुए।

8 जुलाई: रोहिणी सेक्टर-16 में बारिश के दौरान दो निर्माणाधीन इमारतें ढह गईं। हादसे के बाद कई लोग मलबे में दब गए। बचाव दल ने मौके पर पहुंचकर राहत अभियान चलाया। इस हादसे में 3 लोगों की मौत हुई।

21 अगस्त: करोल बाग के रेगरपुरा इलाके में प्यारे लाल रोड पर एक इमारत का हिस्सा गिर गया। यहां इमारत को तोड़ने का काम चल रहा था। हादसे में वहां काम कर रहे एक मजदूर की मौत हुई और दो लोग घायल हो गए।

6 सितंबर: सत्य निकेतन इलाके में पांच मंजिला इमारत ढह गई। इस इमारत में लड़कों का पीजी चल रहा था। हादसे के समय तहखाने में मरम्मत का काम हो रहा था। बचाव दल ने मलबे से लोगों को बाहर निकाला। हादसे में 7 लोगों की मौत हुई और 5 घायल हुए।

7 अक्टूबर: सीमापुरी इलाके में चार मंजिला इमारत का अगला हिस्सा ढह गया। हादसे में आसपास के लोग भी मलबे की चपेट में आए। बचाव दल ने 11 लोगों को बाहर निकाला। इस हादसे में 4 लोगों की मौत हुई और 8 लोग घायल हुए।

इंस्टाग्राम पर अब अश्लील और हिंसक पोस्ट कम दिखेंगे

एआई आपत्तिजनक कंटेंट फिल्टर कर देगा; सरकार ने मेटा से कहा था- एल्गोरिदम का रिव्यू करें

नई दिल्ली। सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम ने भारत में अपने सामग्री अनुशंसा प्रणाली को अद्यतन किया है। अब उपयोगकर्ताओं को मंच पर यौन और हिंसा दिखाने वाले पोस्ट कम दिखाई देंगे। कंपनी ने इसके लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के ज्यादा सक्षम मॉडल इस्तेमाल किए हैं। ये मॉडल पोस्ट को उपयोगकर्ताओं तक सुझाने से पहले ही उसकी जांच करेंगे और तय दिशानिर्देशों पर खरा नहीं उतरने वाले सामग्री को अनुशंसा से बाहर रखेंगे। मेटा ने 16 नवंबर को अपने ब्लॉग में इसकी जानकारी दी। यह बदलाव रील्स, एक्सप्लोर और फीड में दिखने वाले उन पोस्ट पर लागू होगा, जिन्हें उपयोगकर्ताओं अनुसरण नहीं करते। मेटा के मुताबिक, कंपनी पिछले एक साल से इंस्टाग्राम के पूर्वनिर्धारित सामग्री सुरक्षा प्रणाली को मजबूत कर रही है। इसके लिए भारत के उपयोगकर्ताओं की पसंद और प्रतिक्रिया को ध्यान में रखकर एआई मॉडल को खासतौर पर अनुकूलित किया गया है। अब प्रणाली ऐसे सामग्री की पहचान करने में ज्यादा सक्षम होगा, जिसमें अश्लीलता या हिंसा दिखाई गई हो। कंपनी का कहना है कि नए बदलावों के बाद भारत में उपयोगकर्ताओं ने सुझाए गए सामग्री की शिकायत एक साल पहले के मुकाबले करीब आधी कर दी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की जीरो टॉलरेंस नीति से मिलावटखोरों पर कसता शिकंजा

'शुद्ध आहार मिलावट पर वार' अभियान में मिलावट के कारोबार पर सर्जिकल स्ट्राइक

दूध, घी, खाद्य तेल, मसाले, मिठाइयों जैसे खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता हो रही सुनिश्चित

त्यौहारी सीजन में मिलावटखोरों के खिलाफ हुई सख्त कार्रवाई

8.99 लाख किलो से अधिक मिलावटी खाद्य पदार्थ जब्त, 2.77 लाख किलो नष्ट और 9.25 करोड़ का जुर्माना

12 हजार से अधिक निरीक्षण, 2 हजार 892 प्रकरणों में चालान प्रस्तुत

शुद्ध आहार और निरामय राजस्थान का संकल्प हो रहा साकार

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की जीरो टॉलरेंस नीति से मिलावटखोरों पर निरंतर शिकंजा कसा जा रहा है। प्रदेशभर में 'शुद्ध आहार मिलावट पर वार' अभियान सफलतापूर्वक संचालित कर मिलावट के कारोबार पर सर्जिकल स्ट्राइक जारी है। त्यौहारी सीजन के दौरान मिलावटखोरों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। इन कार्रवाइयों का लक्ष्य आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी और जवाबदेह बनाना है।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्तालय 'शुद्ध आहार मिलावट पर वार' के अंतर्गत सघन निरीक्षण, प्रवर्तन नमूनीकरण, न्यायालयों में प्रकरण प्रस्तुत करने के साथ ही जुर्माना अधिरोपित कर मिलावटखोरों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई कर रहा है। वर्ष 2026 में सितंबर माह तक विभाग ने 12 हजार 27 निरीक्षण किए और 12 हजार 64 खाद्य पदार्थों के नमूने लिए हैं। साथ ही, 2 हजार 892 चालान प्रस्तुत किए हैं और 9 करोड़ 25 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। अभियान के अंतर्गत दूध, घी, खाद्य तेल, मसाले, आटा, बेसन, मिठाइयों और अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए 8.99 लाख किलोग्राम/लीटर से अधिक खाद्य पदार्थ जब्त किए गए हैं। वहीं, 2.77 लाख किलोग्राम/लीटर से अधिक खाद्य पदार्थ नष्ट किए गए हैं। अभियान का उद्देश्य मिलावटखोरों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के साथ खाद्य कारोबारियों को नियमों के प्रति जागरूक करना और उपभोक्ताओं में सुरक्षित खाद्य पदार्थों के चयन की समझ विकसित करना भी है।



41 जिलों में कार्रवाई, सात लाख से अधिक कैन जब्त

खाद्य पदार्थों की लेबलिंग और विपणन से संबंधित नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए कैफीनयुक्त पेय पदार्थों, विशेषकर 'एनर्जी ड्रिंक' और 'स्पोर्ट्स ड्रिंक' के नाम से विपणन किए जाने वाले उत्पादों के विरुद्ध व्यापक कार्रवाई की गई है। अभियान के अंतर्गत 41 जिलों में सात लाख से अधिक कैन और 64 हजार 580 बोतलें जब्त की गई हैं।

47,878 हितधारकों का प्रशिक्षण वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज

खाद्य कारोबारियों और अन्य हितधारकों को प्रशिक्षित करना सुरक्षित खाद्य व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। इसी दिशा में प्रदेश में फूड सेफ्टी ट्रेनिंग एंड सर्टिफिकेशन कार्यक्रम के तहत 47 हजार 878 हितधारकों को प्रशिक्षण दिया गया। इस उपलब्धि को लंदन के वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा मान्यता प्रदान की गई।

'ईट राइट स्कूल' अभियान-निर्धारित लक्ष्य का 435 प्रतिशत हासिल

बच्चों में स्वस्थ खानपान की आदत विकसित और खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रदेश में 'ईट राइट स्कूल' अभियान को मिशन मोड में आगे बढ़ाया जा रहा है। वर्ष 2025-26 में 100 स्कूलों के लक्ष्य के विरुद्ध 435 स्कूलों को प्रमाणित किया जा चुका है, जो निर्धारित लक्ष्य का 435 प्रतिशत है। इसी अवधि में 3 हजार 477 स्कूलों का पंजीकरण किया गया। सात लाख से अधिक विद्यार्थियों को खाद्य सुरक्षा, पोषण, स्वच्छता, मानसिक स्वास्थ्य और गैर-संचारी रोगों से संबंधित विषयों पर जागरूक किया गया है। वहीं, इस पहल के तहत 10 हजार स्कूलों को जोड़ने का मिशन भी शुरू किया है।

'फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स' से जांच और जागरूकता को विस्तार

विभाग द्वारा प्रदेश में खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं के नेटवर्क को निरंतर सुदृढ़ किया जा रहा है। जयपुर सहित विभिन्न जिलों में ये प्रयोगशालाएं खाद्य नमूनों की जांच में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसी प्रकार खाद्य सुरक्षा संबंधी जांच और जागरूकता को व्यापक स्तर पर पहुंचाने के लिए 34 'फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स' का सफलतापूर्वक उपयोग किया जा रहा है। विभाग नए और बड़े जिलों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए 16 अतिरिक्त मोबाइल फूड टेस्टिंग वाहनों पर भी कार्य कर रहा है।







मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर के जोतड़ावाला में स्थानीय कार्यकर्ता राधेश्याम जोतड़ के निवास पर पहुंचकर परिवार से अपनत्व के साथ मुलाकात की। यहां चाय पीने और आत्मीय संवाद के दौरान उन्होंने बच्चों से उनकी शिक्षा के बारे में पूछा और चॉकलेट्स भेंट की। मुख्यमंत्री ने परिवार के बुजुर्ग सदस्यों से उनके स्वास्थ्य एवं दिनचर्या के बारे में जानकारी ली। इसके बाद मुख्यमंत्री ने लौटते समय रास्ते में रुककर स्थानीय निवासियों का अभिनंदन भी स्वीकार दिया।

कार्यकर्ताओं की ताकत से यूपी में तीसरी बार सरकार बनाएगी भाजपा : नितिन नबीन



मथुरा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दो दिवसीय योजना बैठक मंगलवार को मथुरा के परखम स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय गो-विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र में संपन्न हुई। बैठक के दूसरे दिन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने पदाधिकारियों और प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समर्पित और परिश्रमी कार्यकर्ताओं के दम पर भाजपा वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश में लगातार तीसरी बार ऐतिहासिक विजय हासिल करेगी। बैठक में आगामी तीन महीनों की कार्ययोजना, संगठनात्मक गतिविधियों, सहयोगी दलों के साथ समन्वय और विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा हुई।

उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय अध्यक्ष का पांचवां प्रवास

राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का उत्तर प्रदेश में यह पांचवां प्रवास है। इससे पहले वह पश्चिम, अवध, काशी और गोरखपुर क्षेत्रों का दौरा कर चुके हैं। मथुरा पहुंचने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी तथा उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने उनका स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने परिसर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद सभागार में विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंघल की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया गया।

बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने का आह्वान

बैठक को संबोधित करते हुए नितिन नबीन ने आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर संगठन की तैयारियों को और गति देने पर जोर दिया। उन्होंने व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाने, केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा बूथ स्तर तक संगठन को अधिक सक्रिय और मजबूत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से पूरी सक्रियता के साथ चुनावी तैयारियों में जुटने की अपील की। नितिन नबीन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने विकास को घर-घर तक पहुंचाया है। उन्होंने विश्वास जताया कि पार्टी के समर्पित और अथक परिश्रमी कार्यकर्ताओं के दम पर भाजपा 2027 में लगातार तीसरी बार ऐतिहासिक विजय दर्ज करेगी।



THE UNCOVERED UPDATE
सच जो छुपा था, अब सामने है

हिन्दी समाचार पत्र

जयपुर अपडेट

गुलाबी शहर की हर खबर

| Digital Edition | RJHIN/25/A4779

बुधवार, 18 नवंबर, 2026

सुशीलपुरा से गंदा नाले तक 15.56 करोड़ रुपये की लागत से 4.50 किमी सीवर लाइन का कार्य पूर्ण

द्रव्यवती नदी में प्रतिदिन गिरने वाले 10 से 15 एमएलडी अशोधित सीवर के प्रवाह पर लगा प्रभावी अंकुश

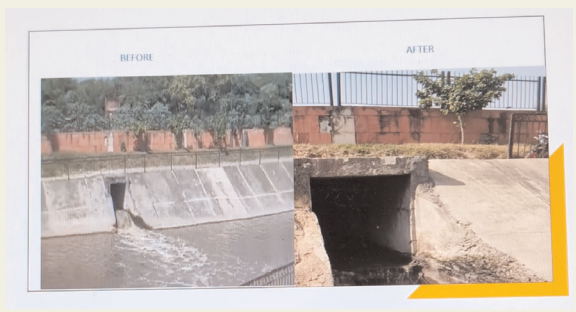

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा द्रव्यवती नदी को प्रदूषणमुक्त एवं स्वच्छ बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण किया गया है। सुशीलपुरा, अजमेर रोड पुलिया के निकट झोटवाड़ा एवं वैशाली नगर क्षेत्र से देहलावास एसटीपी की ओर जाने वाली सीवर लाइन में क्षमता से अधिक सीवर प्रवाह होने के कारण प्रतिदिन लगभग 10 से 15 एमएलडी अशोधित सीवर का सरप्लस फ्लो डायवर्ट होकर द्रव्यवती नदी में पहुंच रहा था। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए जेडीए द्वारा सुशीलपुरा से गंदा नाला तक 4.50 किलोमीटर लंबाई में 1.0 मीटर व्यास की नई सीवर लाइन डालने का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

जेडीसी सिद्धार्थ महाजन ने बताया कि इस कार्य के लिए जेडीए द्वारा 15.56 करोड़ रुपये की लागत का कार्यादेश दिनांक 09 अक्टूबर 2025 को मैसर्स टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड-एसयूसीजी कंसोर्टियम को जारी किया गया था। कार्य पूर्ण होने के पश्चात सुशीलपुरा की ओर से आने वाले अतिरिक्त सीवर प्रवाह को नई सीवर लाइन के माध्यम से गंदा नाला होते हुए 100 एमएलडी क्षमता के रिको एसटीपी, तरुछाया नगर तक पहुंचाया जा रहा है, जहां सीवर का वैज्ञानिक तरीके से शोधन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस व्यवस्था से पूर्व में द्रव्यवती नदी में पहुंचने वाले प्रतिदिन लगभग 10 से 15 एमएलडी अशोधित सीवर प्रवाह को रोकने में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। इससे नदी में अशोधित सीवर के प्रवाह पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित होगा तथा जल प्रदूषण को कम करने में मदद मिलेगी।

जेडीए द्वारा शहर के सीवरेज प्रबंधन एवं पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। सुशीलपुरा से गंदा नाला तक नई सीवर लाइन का कार्य इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे द्रव्यवती नदी की स्वच्छता एवं पर्यावरणीय गुणवत्ता बनाए रखने में मदद मिलेगी तथा जयपुर शहर के नागरिकों को स्वच्छ एवं बेहतर पर्यावरण उपलब्ध कराने के प्रयासों को मजबूती मिलेगी।

एसएमएस हॉस्पिटल की इमरजेंसी में बड़ा बदलाव

अब 24 घंटे मिलेंगे आंख-कान-नाक के भी डॉक्टर, मरीजों को नहीं काटने पड़ेंगे चक्कर



द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। सवाई मानसिंह हॉस्पिटल की इमरजेंसी और ट्रॉमा सेंटर में मरीजों को अब इलाज के लिए अलग-अलग विभागों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। अस्पताल प्रशासन ने इमरजेंसी में विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए नई व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है। इसके तहत अब आंख, नाक, कान और गले से जुड़ी समस्याओं के लिए 24-घंटे ऑन कॉल सीनियर डॉक्टर उपलब्ध रहेंगे।

वहीं, मेडिसिन, हड्डी, सर्जरी और एनेस्थीसिया विभाग के सीनियर रेजीडेंट डॉक्टरों की रोटेशन के आधार पर ड्यूटी लगाई जाएगी।

4-4 सीनियर डॉक्टर की रोटेशन पर ड्यूटी का आदेश

प्रिंसिपल डॉ. दीपक माहेश्वरी ने इस संबंध में संबंधित विभागों को पत्र जारी कर ड्यूटी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। आदेश के अनुसार, मेडिसिन, अस्थि रोग, सर्जरी और एनेस्थीसिया विभाग के एचओडी को चार-चार सीनियर रेजीडेंट डॉक्टर रोटेशन के आधार पर नियुक्त करने को कहा गया है, ताकि इमरजेंसी और ट्रॉमा सेंटर में हर समय डॉक्टर उपलब्ध रहें। वहीं, नेत्र रोग और ईएनटी विभाग को 24×7 ऑन कॉल सीनियर डॉक्टर की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए गए हैं।

दीपावली पर मिली सुविधा के बाद लिया निर्णय

दीपावली के दौरान अस्पताल में विशेष व्यवस्था की गई थी। इस दौरान मरीजों को मिली सुविधा और बेहतर व्यवस्थाओं को देखते हुए हॉस्पिटल अधीक्षक डॉ. मृणाल जोशी ने प्रिंसिपल को यह व्यवस्था सामान्य दिनों में भी लागू रखने का सुझाव दिया। इसके बाद प्रिंसिपल ने नए आदेश जारी किए।

फिलहाल एसएमएस हॉस्पिटल की इमरजेंसी में मेडिसिन विभाग के डॉक्टर ही नियमित रूप से ड्यूटी देते हैं, जबकि सर्जरी और एनेस्थीसिया विभाग के डॉक्टर ऑन कॉल रहते हैं।

नाक, कान और आंखों के मरीजों को आती है परेशानी

अक्सर इमरजेंसी में ऐसे केस आते हैं, जहां मरीज के नाक, कान या गले के अलावा आंखों से जुड़ी परेशानी होती है। ऐसे में मरीज पहले इमरजेंसी आता है, बाद में उसे चरक भवन भेजा जाता है। जहां कई बार सीनियर रेजीडेंट नहीं मिलने पर मरीज को इलाज के लिए इंतजार करना पड़ता है। ऑन कॉल व्यवस्था रहने से मरीज आने पर उसे यथासंभव इमरजेंसी में ही इलाज की सुविधा मिल सकेगी।

ट्रॉमा के केस में भी रहती है परेशानी

ओपीडी समय के बाद कई ट्रॉमा के केस ऐसे आते हैं, जहां मरीज की एक्सीडेंट के बाद आंख, नाक या गले में चोट या दूसरी समस्या आती है। इसके लिए भी ईएनटी और आंखों के डॉक्टर का इंतजार करना पड़ता है। नए सिस्टम के तहत ड्यूटी लगने के बाद ट्रॉमा में आए मरीज के ऑपरेशन में भी देरी या परेशानी नहीं होगी।

299 साल का हुआ गुलाबी शहर जयपुर, 300वें वर्ष में प्रवेश पर दो दिवसीय उत्सव की धूम; विरासत, संस्कृति और साहित्य के रंगों से सजी गुलाबी नगरी

मोती डूंगरी गणेश मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ स्थापना दिवस समारोह का आगाज, बिरला ऑडिटोरियम में देशभर के कवियों ने बांधा समां

18 नवंबर को गंगापोल दरवाजे पर गणेश पूजन, गोविंद देवजी मंदिर में दर्शन, गैटोर की छतरियों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और स्टेच्यू सर्किल पर होगा भव्य दीप प्रज्वलन

द अनकवर्ड अपडेट













जयपुर। राजस्थान की राजधानी और विश्वभर में अपनी गुलाबी पहचान के लिए मशहूर जयपुर बुधवार, 18 नवंबर को अपने गौरवशाली इतिहास के 299 वर्ष पूरे कर 300वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। इस ऐतिहासिक अवसर को यादगार बनाने के लिए गुलाबी नगरी में उत्सव का माहौल है। जयपुर नगर निगम सहित विभिन्न संस्थाओं की ओर से शहर के अलग-अलग हिस्सों में धार्मिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। दो दिवसीय स्थापना दिवस समारोह के तहत शहर के ऐतिहासिक दरवाजों से लेकर धार्मिक स्थलों, सांस्कृतिक केंद्रों और ऐतिहासिक स्मारकों तक विरासत और परंपरा का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है।

इस बार जयपुर स्थापना दिवस का उत्सव किसी एक स्थान तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे शहर को इसमें शामिल किया गया है। मोती डूंगरी गणेश मंदिर, परकोटे के ऐतिहासिक दरवाजे, बिरला ऑडिटोरियम, गोविंद देवजी मंदिर, गैटोर की छतरियां, स्टेच्यू सर्किल और सिटी पैलेस जैसे प्रमुख स्थान समारोह के केंद्र बने हुए हैं। इन आयोजनों के माध्यम से जयपुर के गौरवशाली इतिहास, सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक आस्था और आधुनिक पहचान को एक साथ प्रस्तुत करने का प्रयास किया जा रहा है।

मोती डूंगरी गणेश मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ हुआ समारोह का आगाज

जयपुर स्थापना दिवस के दो दिवसीय समारोह की शुरुआत मंगलवार सुबह मोती डूंगरी गणेश मंदिर में प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश को निमंत्रण अर्पित करने के साथ हुई। नगर निगम जयपुर के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में महापौर सुनील कोठारी और उपमहापौर सरोज कंवर ने पार्षदों एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ भगवान गणेश के दर्शन किए और विधिवत पूजा-अर्चना की।

इस अवसर पर शहर की सुख-समृद्धि, खुशहाली और निरंतर विकास की कामना की गई। साथ ही स्थापना दिवस के सभी कार्यक्रम निर्विघ्न संपन्न होने की प्रार्थना की गई। कार्यक्रम में पार्षद प्रतिभा शर्मा, जयश्री गर्ग, कविता शर्मा, गिर्राज शर्मा, सुभाष संघी सहित अन्य पार्षदगण और आमजन उपस्थित रहे।

जयपुर की परंपरा में किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत भगवान गणेश के निमंत्रण से करने का विशेष महत्व है। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए नगर निगम की ओर से स्थापना दिवस समारोह का शुभारंभ किया गया।

ऐतिहासिक दरवाजों पर शहनाई वादन से गूंजा परकोटा

स्थापना दिवस के उत्सव को पारंपरिक स्वरूप देने के लिए परकोटे के प्रमुख ऐतिहासिक दरवाजों पर शहनाई वादन की विशेष व्यवस्था की गई। न्यू गेट, सांगानेरी गेट, अजमेरी गेट, जोरावर सिंह गेट, गंगापोल गेट, सूरजपोल गेट, चांदपोल गेट और घाटगेट पर शहनाई की मधुर धुनों ने शहर के वातावरण को उत्सवी बना दिया।

इन ऐतिहासिक प्रवेश द्वारों पर शहनाई की प्रस्तुतियों के जरिए जयपुर की पारंपरिक संगीत विरासत को याद किया गया। शहर की ऐतिहासिक इमारतों और गुलाबी स्थापत्य के बीच गूंजती शहनाई की धुनों ने स्थापना दिवस समारोह को खास रंग प्रदान किया। इसका उद्देश्य नई पीढ़ी को जयपुर की सांस्कृतिक परंपराओं और ऐतिहासिक पहचान से जोड़ना भी है।

बिरला ऑडिटोरियम में कवि सम्मेलन, हास्य-व्यंग्य और वीर रस की कविताओं से गूंजा सभागार

जयपुर स्थापना दिवस समारोह के पहले दिन मंगलवार शाम बिरला ऑडिटोरियम में आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन समारोह का प्रमुख आकर्षण रहा। देशभर से आए ख्यातनाम कवियों और कवयित्री ने अपनी प्रभावशाली काव्य प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। हास्य, व्यंग्य, ओज और वीर रस से सजी कविताओं ने कभी श्रोताओं को ठहाके लगाने पर मजबूर किया तो कभी राष्ट्रप्रेम और वीरता के भावों से भावविभोर कर दिया। पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

कार्यक्रम का शुभारंभ राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, विधायक कालीचरण शर्मा, विधायक गोपाल शर्मा, राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और साहित्य प्रेमी मौजूद रहे।

कवि सम्मेलन में मेरठ के सुप्रसिद्ध वीर रस के कवि हरिओम पंवार, मुंबई के लोकप्रिय हास्य-व्यंग्य कवि एहसान कुरैशी, फरीदाबाद के दिनेश रघुवंशी, कोटा के सुरेश अलबेला, बाराबंकी के प्रियांशु गजेंद्र, उदयपुर के राव अजातशत्रु और चित्तौड़गढ़ की कवयित्री दीपिका माही ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन किया। कार्यक्रम का संयोजन एकेश पार्थ ने किया।

कवियों ने अपनी रचनाओं में सामाजिक सरोकारों, देशभक्ति, जीवन मूल्यों, समसामयिक विषयों और मानवीय संवेदनाओं को प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किया। हास्य और व्यंग्य की रचनाओं पर सभागार ठहाकों से गूंज उठा, वहीं वीर रस और ओजपूर्ण कविताओं ने श्रोताओं में उत्साह और राष्ट्रप्रेम का संचार किया।

जयपुर की साहित्यिक परंपरा को समर्पित यह आयोजन स्थापना दिवस समारोह का यादगार हिस्सा बना। कवियों की शानदार प्रस्तुतियों ने यह भी साबित किया कि गुलाबी नगरी की पहचान केवल ऐतिहासिक इमारतों और पर्यटन तक सीमित नहीं, बल्कि साहित्य और कला के क्षेत्र में भी इसकी समृद्ध परंपरा रही है।

बुधवार को गंगापोल दरवाजे पर गणेश पूजन, गोविंद देवजी मंदिर में होंगे दर्शन

स्थापना दिवस समारोह के दूसरे दिन बुधवार, 18 नवंबर को धार्मिक कार्यक्रमों के साथ उत्सव आगे बढ़ेगा। सुबह 9:30 से 10 बजे तक गंगापोल दरवाजे पर विशेष गणेश पूजन आयोजित किया जाएगा। इसके बाद सुबह 10:30 से 11 बजे तक शहर के आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर में दर्शन एवं पूजा-अर्चना का कार्यक्रम रखा गया है।

जयपुर की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान में गोविंद देवजी मंदिर का विशेष स्थान है। स्थापना दिवस के अवसर पर यहां दर्शन और पूजन के माध्यम से शहर की सुख-समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना की जाएगी।

गैटोर की छतरियों पर संस्थापक महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय को दी जाएगी श्रद्धांजलि

बुधवार दोपहर 3 बजे जयपुर के संस्थापक महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय की स्मृति से जुड़े गैटोर की छतरियों पर विशेष स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ होगी।

इसके बाद जयपुर की पारंपरिक सामाजिक और सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने वाली प्रस्तुतियां होंगी। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं की ओर से तैयार किए गए जयपुर के ऐतिहासिक स्थलों से संबंधित पेंटिंग और मॉडल प्रदर्शित किए जाएंगे। वहीं छात्राएं पारंपरिक राजस्थानी घूमर नृत्य की प्रस्तुति देकर शहर की लोक संस्कृति और परंपरा को जीवंत करेंगी।

इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों और युवाओं को जयपुर के इतिहास, स्थापत्य और सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराना है। कार्यक्रम के दौरान गुलाबी नगरी को स्वच्छ, सुंदर और हरा-भरा बनाए रखने के लिए सामूहिक संकल्प भी लिया जाएगा। इस तरह स्थापना दिवस को केवल उत्सव तक सीमित न रखकर शहर की विरासत के संरक्षण और बेहतर भविष्य से जोड़ने की पहल की जाएगी।

स्टेच्यू सर्किल पर हजारों दीपों से रोशन होगा जयपुर

जयपुर स्थापना दिवस के दूसरे दिन बुधवार शाम 5 बजे स्टेच्यू सर्किल पर भव्य दीप प्रज्वलन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस दौरान हजारों दीपों से शहर को रोशन करने की योजना है। दीपों की रोशनी के बीच जयपुर की सुख-समृद्धि, शांति और उज्ज्वल भविष्य की कामना की जाएगी।

यह आयोजन स्थापना दिवस समारोह का प्रमुख आकर्षण रहने वाला है। दीप प्रज्वलन के माध्यम से शहर की सांस्कृतिक एकता, परंपरा और सामूहिक सहभागिता का संदेश दिया जाएगा। अलग-अलग क्षेत्रों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के साथ यह आयोजन जयपुर स्थापना दिवस को सामूहिक उत्सव का स्वरूप प्रदान करेगा।

सिटी पैलेस में कला प्रदर्शनी से दिखाई देगा जयपुर के 300 वर्षों का सफर

जयपुर की ऐतिहासिक विरासत और समकालीन कला को एक मंच पर लाने के उद्देश्य से जयपुर सेंटर फॉर आर्ट की ओर से सिटी पैलेस म्यूजियम के सहयोग से बुधवार, 18 नवंबर को शाम 7 बजे से विशेष कला प्रदर्शनी 'ट्रेसेज ऑफ अस' आयोजित की जाएगी। यह प्रदर्शनी जयपुर के 300 वर्षों के सफर को कला और रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से देखने का अवसर प्रदान करेगी। इसकी परिकल्पना उदित भाम्बरी ने की है। प्रदर्शनी में देश के चर्चित कलाकारों अर्पिता सिंह, भारती खेर, कुलप्रीत सिंह, एमएफ हुसैन, एनएस हर्षा और शिल्पा गुप्ता की कलाकृतियां शामिल होंगी। सिटी पैलेस जैसे ऐतिहासिक परिसर में आयोजित यह प्रदर्शनी जयपुर की पुरातन विरासत और आधुनिक कला के बीच संवाद स्थापित करेगी। स्थापना दिवस को कला के माध्यम से मनाने की यह पहल शहर को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कला जगत से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

1727 में रखी गई थी जयपुर की नींव, विद्याधर भट्टाचार्य ने तैयार की थी नगर की रूपरेखा

जयपुर का इतिहास केवल एक रियासत की राजधानी बनने की कहानी नहीं है, बल्कि यह भारत में सुनियोजित नगर निर्माण की एक अनूठी मिसाल भी है। 18 नवंबर 1727 को कछवाहा शासक महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय ने जयपुर की स्थापना की थी। इससे पहले आमेर उनकी राजधानी हुआ करता था। बढ़ती आबादी, पानी की सीमित उपलब्धता और राजधानी के विस्तार की जरूरत को देखते हुए उन्होंने आमेर से आगे मैदानी इलाके में नई राजधानी बसाने का निर्णय लिया।

नई राजधानी की योजना तैयार करने की जिम्मेदारी वास्तुकार विद्याधर भट्टाचार्य को सौंपी गई। उन्होंने वास्तुशास्त्र और शिल्पशास्त्र के सिद्धांतों के अनुरूप शहर की रूपरेखा तैयार की। जयपुर को नौ चौकड़ियों में बसाने की योजना बनाई गई। इनमें दो चौकड़ियां राजकीय भवनों और महलों के लिए तथा शेष सात आम नागरिकों और व्यापारिक गतिविधियों के लिए निर्धारित थीं। शहर की योजना में चौड़ी सड़कें, व्यवस्थित बाजार, चौपड़, एक जैसी स्थापत्य शैली और सुरक्षा के लिए मजबूत परकोटे को विशेष महत्व दिया गया। बाजारों को निर्धारित स्थानों पर विकसित किया गया और दुकानों के आगे बरामदों की एकरूप व्यवस्था की गई। शहर की संरचना इस तरह तैयार की गई कि प्रशासन, व्यापार और आम नागरिकों की जरूरतों के बीच बेहतर तालमेल बना रहे।

जयपुर का निर्माण कार्य 1727 में शुरू हुआ और करीब चार वर्षों में शहर के प्रमुख महलों, सड़कों और सार्वजनिक स्थलों का विकास किया गया। यही दूरदर्शी नगर नियोजन आज भी जयपुर की विशिष्ट पहचान बना हुआ है।

गुलाबी नगरी की पहचान के पीछे है स्वागत और अतिथि सत्कार की परंपरा

जयपुर को दुनिया भर में पिंक सिटी यानी गुलाबी नगरी के नाम से जाना जाता है। इस पहचान के पीछे वर्ष 1876 की एक ऐतिहासिक घटना जुड़ी है। उस समय प्रिंस ऑफ वेल्स के जयपुर आगमन पर तत्कालीन महाराजा सवाई रामसिंह द्वितीय ने शहर की इमारतों को गुलाबी रंग से रंगवाया था। गुलाबी रंग को स्वागत और आतिथ्य का प्रतीक माना गया। इसके बाद से शहर के परकोटे वाले हिस्से में गुलाबी रंग की स्थापत्य परंपरा कायम रही। हवामहल, सिटी पैलेस और पुराने बाजारों की इमारतें आज भी जयपुर की इस विशिष्ट पहचान को दुनिया के सामने प्रस्तुत करती हैं। शहर के ऐतिहासिक स्मारक, चौड़ी सड़कें, परकोटे के दरवाजे, पारंपरिक बाजार और राजस्थानी स्थापत्य कला जयपुर को देश के अन्य शहरों से अलग पहचान देते हैं।

विरासत के संरक्षण और आधुनिक विकास का संकल्प

जयपुर अपने 300वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। यह अवसर केवल अतीत की उपलब्धियों को याद करने का नहीं, बल्कि भविष्य के लिए नई जिम्मेदारियां तय करने का भी है। शहर की ऐतिहासिक पहचान को सुरक्षित रखने के साथ-साथ स्वच्छता, हरियाली, यातायात व्यवस्था, जल संरक्षण और आधुनिक शहरी सुविधाओं को बेहतर बनाना समय की आवश्यकता है। स्थापना दिवस के दौरान स्वच्छ और सुंदर जयपुर का सामूहिक संकल्प भी इसी दिशा में महत्वपूर्ण संदेश देता है। शहर के ऐतिहासिक स्मारकों, बाजारों और परकोटे की मूल संरचना का संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के लिए जरूरी है। कुल मिलाकर जयपुर का 299वां स्थापना दिवस धार्मिक आस्था, साहित्य, कला, संस्कृति और ऐतिहासिक गौरव के संगम के रूप में मनाया जा रहा है। गणेश पूजन से शुरू हुआ यह उत्सव शहनाई की मधुर धुनों, कवि सम्मेलन की काव्य रसधारा, घूमर की सांस्कृतिक प्रस्तुति, कला प्रदर्शनी और दीपों की रोशनी के साथ शहर के गौरवशाली इतिहास को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम बन रहा है। जयपुर ने 299 वर्षों की ऐतिहासिक यात्रा में अपनी अलग पहचान बनाई है। अब 300वें वर्ष में प्रवेश के साथ शहरवासियों की उम्मीद है कि गुलाबी नगरी अपनी विरासत को सहेजते हुए विकास, स्वच्छता और आधुनिकता के नए आयाम स्थापित करेगी।

राज कृति

पुस्तक 'राज कृति - द स्पिरिट ऑफ़ राजीविका वीमेन इन कलर'

राज कृतिःनेहा गिरि की पुस्तक ने राजस्थान की महिला कलाकारों और उनकी जीवंत कला को दी नई पहचान

बीकानेर हाउस में आयोजित पुस्तक-चर्चा में पाँच चित्रकला परंपराओं और उन्हें जीवित रखने वाली राजीविका की ग्रामीण महिलाओं का उत्सव

जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान अक्सर उसके किलों, वस्त्रों, लोक संगीत और शिल्प से जानी जाती है किंतु इस समृद्ध विरासत के पीछे वे महिलाएँ भी हैं, जिनका जीवन, कौशल और कहानियाँ राज्य की पहचान का अभिन्न अंग हैं। इन्हीं कहानियों को सामने लाती है पुस्तक 'राज कृति - द स्पिरिट ऑफ़ राजीविका वीमेन इन कलर', जिसकी लेखिका नेहा गिरि में केन्द्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय निदेशक हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा विमोचित 'राज कृति' राज्य की पाँच विशिष्ट चित्रकला परंपराओं – राजस्थानी लघु चित्रकला, पिछवाई, बनी-ठनी, मांडना और कावड़ – को राजीविका के स्वयं सहायता समूहों की उन महिला कलाकारों के माध्यम से प्रस्तुत करती है, जिन्होंने अपनी पारंपरिक कला को पहचान, सम्मान और आजीविका का साधन बनाया है।





पुस्तक पर आधारित चर्चा 'ए कन्वर्सेशन बियॉन्ड द पेजेज़' का आयोजन रविवार को बीकानेर हाउस, नई दिल्ली में मुख्य अतिथि, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया था। कार्यक्रम में स्मृति सरन, सदस्य, डाक सेवा बोर्ड, सम्मानित अतिथि तथा श्री रोहित कुमार, प्रमुख आवासीय आयुक्त, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कला, संगीत और कलाकारों द्वारा स्वागतः कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। एक भावपूर्ण क्षण में, पुस्तक में शामिल महिला कलाकारों ने हाथ से बने क्रोशिया के गुलदस्तों और पारंपरिक स्टोल से अतिथियों का स्वागत किया। इसके बाद जोधपुर के लंगा कलाकार मोहम्मद रफ़ीक खान एवं समूह की राजस्थानी लोक प्रस्तुति ने मरुधरा की संगीत विरासत से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

यह किसी एक व्यक्ति का कार्य नहीं: पुस्तक प्रस्तुत करते हुए नेहा गिरि ने इसके पीछे की यात्रा साझा की, और इस दौरान 'राज कृति' के चित्र बॉलरूम की दीवारों और छत पर प्रदर्शित किए गए। ग्रामीण आजीविका पहलों, विशेषकर राजीविका की राज्य मिशन निदेशक के रूप में अपने अनुभवों को याद करते हुए, उन्होंने इस कार्य में योगदान देने वाले सभी– विकास अधिकारी, सामुदायिक कार्यकर्ता, स्वयंसेवी संस्थाएँ, मास्टर ट्रेनर, राजीविका के अधिकारी, ग्रामीण विकास विभाग तथा बैंक ऑफ़ बड़ौदा आरसेटीसभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पुस्तक की कहानियाँ किसी एक व्यक्ति का कार्य नहीं बल्कि वर्षों की सामूहिक प्रतिबद्धता और जमीनी भागीदारी का परिणाम हैं। कार्यक्रम के सबसे यादगार क्षण स्वयं महिला कलाकारों की ओर से आए।



45वां अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला-2026

राजस्थान मंडप में हल्के वजन एवं गर्माहट के लिये पसंद की जा रही हैं जयपुरी रजाईयां

500 ग्राम वजन की रजाईयां बन रही आकर्षण का केन्द्र

नई दिल्ली/जयपुर(नि.सं.)। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में चल रहे 45 वें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला के राजस्थान मंडप में जयपुरी रजाईयों को आगंतुकों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है और उनके हल्के वजन, कोमलता एवं गर्माहट की खासियत के लिए भरपूर सराहना की जा रही है। मंडप में राजस्थानी रजाईयों की व्यापक एवं भरपूर रेंज उपलब्ध है। राजस्थान मंडप में जयपुरी रजाईयों के स्टॉल संचालक अब्दुल रउफ ने बताया कि मात्र 500 ग्राम वजन से तैयार जयपुरी रजाईयों को आगंतुक काफी पसंद कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जयपुरी रजाईयां बनाना मंसूरी का वंशानुगत व्यवसाय है और इसे वे पिछली पांच पीढ़ीयों से करते आ रहे हैं। इसे बनाने में घर के बुजुर्गों से लेकर महिलाएं भी अपना पूर्ण योगदान करती हैं। उन्होंने बताया कि जयपुर के मंसूरी सर्दी के मौसम में घरेलू उपयोग में आने वाले सभी प्रकार के उत्पादों को बनाते हैं, लेकिन रजाई बनाने में उन्हें विशेष योग्यता प्राप्त है। सर्दियों में दैनिक उपयोग के लिये रजाई की उच्च गुणवत्ता का उत्पादन उनकी विशेष पहचान है। अब्दुल रउफ ने बताया कि रजाईयों को बनाने के लिए बेहतरीन सामग्री का उपयोग किया जाता है, वजन में हल्की होने के बावजूद ये बहुत ही गर्म और आरामदायक होती है। इनको बनाने में उच्च श्रेणी की शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कपास का प्रयोग किया जाता है। साथ ही आधुनिक फैशनेबल एवं राजस्थानी डिजाइनों में इन्हें बनाया जा रहा है जिसे ग्राहकों द्वारा काफी पसंद किया जाता है।

न्यूज़ इन बॉक्स



जयपुर के स्कूल को देश में 8वां स्थान

एजुकेशन वर्ल्ड ग्रैंड ज्यूरी इंडिया रैंकिंग 2026-27 में बनाया स्थान

जयपुर(नि.सं.)। साल 2019 में एक छोटे से सपने के साथ शुरू हुआ सफर आज राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुका है। जयपुर के स्कॉटल हाई स्कूल ने एजुकेशन वर्ल्ड ग्रैंड ज्यूरी इंडिया स्कूल रैंकिंग 2026ङ्क27 में 'इमर्जिंग हाई-पोटेंशियल स्कूल' श्रेणी में देश में 8वां, राजस्थान में दूसरा और जयपुर में पहला स्थान हासिल किया है। स्कूल के लिए यह एक गर्व का क्षण है। यह उपलब्धि शिक्षा के क्षेत्र में लगातार बेहतर करने और हर विद्यार्थी को आगे बढ़ने के समान अवसर देने के प्रयासों को दर्शाती है। विद्यालय के निदेशक अभिमन्यु जाखड़ के मार्गदर्शन में स्कॉटल हाई स्कूल ने पिछले कुछ वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। विद्यालय का उद्देश्य केवल पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करना ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना, उनमें आत्मविश्वास बढ़ाना और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना भी है।



फिल्ममेकिंग, स्टोरीटेलिंग और कलर डिज़ाइन की कार्यशालाओं में प्रतिभागियों ने सीखी रचनात्मकता की

जयपुर(नि.सं.)। डिज़ाइन फेस्टिवल के पहले दिन शिक्षा, सस्टेनेबिलिटी और रचनात्मकता पर हुआ मंथन जयपुर। जयपुर के 300वें स्थापना वर्ष को समर्पित तीन दिवसीय जयपुर डिज़ाइन फेस्टिवल का सोमवार को जवाहर कला केंद्र में भव्य आगाज हुआ। एसोसिएशन ऑफ डिज़ाइनर्स ऑफ इंडिया के जयपुर चैप्टर की ओर से राजस्थान टूरिज्म और जवाहर कला केंद्र के सहयोग से आयोजित इस फेस्टिवल के उद्घाटन समारोह की शुरुआत द प्रियरंग प्रोजेक्ट की विशेष प्रस्तुति गणेश वंदना : महागणपतिम से हुई। जयपुर की पारंपरिक सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक रचनात्मक सोच के संगम को दर्शाती इस फ्यूजन प्रस्तुति को निर्देशक दीप्ती कोठरी ने कोरियोग्राफ किया। इसमें नन्ही बच्चियों परिधि कनोडिया, काव्या शाह और स्वरा कोठारी ने कथक की मनभावन प्रस्तुति दी। रिइमैजिन जयपुर बाय डिज़ाइन की सोच के साथ आयोजित इस फेस्टिवल के पहले दिन डिजाइन, शिक्षा, शहरी विकास और रचनात्मक अभिव्यक्ति से जुड़े विभिन्न विषयों पर संवाद और कार्यशालाएं आयोजित की गईं।



वी. श्रीनिवास ने सियोल में लोक प्रशासन पर एशियाई संवाद का प्रस्ताव रखा

वार्षिक सम्मेलन के पहले दिन काउंसिल ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन और जनरल असेंबली की अध्यक्षता की

चीन में आगामी सम्मेलन का प्रस्ताव रखा और चीन व दक्षिण कोरिया के प्रतिनिधियों से बैठकें की

सियोल/जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान के मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने भारत, चीन, दक्षिण कोरिया और जापान के लोक प्रशासन विशेषज्ञों और प्रशासकों को एक मंच पर लाने के लिए एशियाई संवाद का प्रस्ताव रखा।

उन्होंने सियोल में अंतरराष्ट्रीय प्रशासनिक विज्ञान संस्थान (आईआईएएस) के वार्षिक सम्मेलन के पहले दिन संस्थान के अध्यक्ष के रूप में यह सुझाव दिया। प्रस्तावित संवाद को आईआईएएस के आने वाले सम्मेलनों में शामिल करने से एशियाई देशों के विशेषज्ञ अपने अनुभव साझा कर सकेंगे। यह पहल शोध को प्रशासन के कामकाज से जोड़ने की उनकी प्राथमिकता के अनुरूप है।

लोक प्रशासन के एशियाई मॉडल को बढ़ावा देने पर जोर-श्री श्रीनिवास ने एशियाई लोक प्रशासन समूह को संबोधित करते हुए शासन और लोक प्रशासन के एशियाई मॉडल को बढ़ावा देने पर बात की। इस दौरान समूह के अध्यक्ष इंडोनेशिया के प्रोफेसर एको प्रसोजो, दक्षिण कोरिया के प्रोफेसर ह्युंग जुन पार्क और चीन की सुश्री वांग यी सहित अन्य प्रतिनिधि मौजूद रहे।

चीन में सम्मेलन का प्रस्ताव, डिजिटल गवर्नेंस में भारत के अनुभव साझा किए-

श्री श्रीनिवास ने चीनी कार्मिक विज्ञान अकादमी के उपाध्यक्ष श्री ली जियानझोंग के साथ बैठक में एशियाई संवाद का प्रस्ताव रखा। उन्होंने सुझाव दिया कि अकादमी चीन में आईआईएएस के किसी आगामी सम्मेलन की मेजबानी करे। इससे चीन के शोधकर्ताओं और प्रशासकों को दूसरे देशों के विशेषज्ञों के साथ नीतियों और प्रशासन से जुड़े अपने अनुभव साझा करने का मौका मिलेगा। उन्होंने चीनी शोधकर्ताओं को 'इंटरनेशनल रिव्यू ऑफ एडमिनिस्ट्रेटिव साइंसेज' और आईआईएएस के अन्य प्रकाशनों में योगदान देने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

एसएमएस हॉस्पिटल

एसएमएस हॉस्पिटल की इमरजेंसी में बड़ा बदलाव

अब 24 घंटे मिलेंगे आंख-कान-नाक के भी डॉक्टर, मरीजों को नहीं काटने पड़ेंगे चक्कर

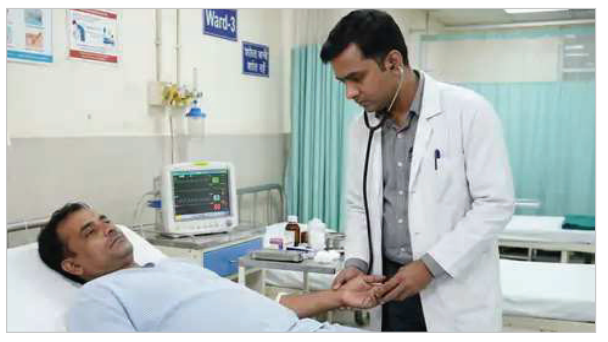

जयपुर। सवाई मानसिंह (स्त्रू) हॉस्पिटल की इमरजेंसी और ट्रॉमा सेंटर में मरीजों को अब इलाज के लिए अलग-अलग विभागों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। अस्पताल प्रशासन ने इमरजेंसी में विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए नई व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है। इसके तहत अब आंख, नाक, कान और गले से जुड़ी समस्याओं के लिए 24-घंटे ऑन कॉल सीनियर डॉक्टर उपलब्ध रहेंगे। वहीं, मेडिसिन, हड्डी, सर्जरी और एनेस्थीसिया विभाग के सीनियर रेजीडेंट डॉक्टरों की रोटेशन के आधार पर ड्यूटी लगाई जाएगी।

4-4 सीनियर डॉक्टर की रोटेशन पर ड्यूटी का आदेश

प्रिंसिपल डॉ. दीपक माहेश्वरी ने इस संबंध में संबंधित विभागों को पत्र जारी कर ड्यूटी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।



15 करोड़ का बिजनेस छोड़कर संत बनेगा पूरा परिवार

पति-पत्नी के साथ दो बेटियां भी साध्वी बनेंगी; एक फुटबॉल खिलाड़ी, दूसरी अपना व्यवसाय कर रही

उदयपुर। राजस्थान के गांव से निकलकर सूरत में करीब 15 करोड़ का बिजनेस खड़ा करने वाला परिवार जैन संत बनने जा रहा है। लंबे समय से व्यापार करने के बाद पूरे परिवार ने वैराग्य चुन लिया है। दिलीप भाई भोगर (47) पत्नी,ज्योति बेन (45) और दोनों बेटियां- छवि (22) और चार्वी (14) सुख-सुविधाओं और व्यापार का त्याग कर संयम के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे। चारों की दीक्षा 8 फरवरी, 2027 को सूरत के पाल में होगी। दिलीप भाई उदयपुर जिले के जसवंतगढ़ गांव से हैं। सूरत टेक्सटाइल मार्केट में कपड़े का व्यापार करते हैं। सालाना करीब 15 करोड़ का टर्न ओवर है। दिलीप भाई के मन में वैराग्य के भाव जागे तो उन्होंने कारोबार के विस्तार की बजाय उसे समेटना शुरू कर दिया।

मीडिया को संबोधित

पंचायत चुनावों में भी खरीद-फरोख्त, प्रलोभन देने और जोड़-तोड़ से बाज नहीं आ रही भाजपा : टीकाराम जूली



जयपुर(नि.सं.)।राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के साथ मीडिया को संबोधित करते हुए भाजपा पर पंचायत चुनावों में भी जनादेश को प्रभावित करने के लिए खरीद-फरोख्त, प्रलोभन और सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के गंभीर आरोप लगाए।

जूली ने कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव जीतने के बजाय कांग्रेस के प्रत्याशियों को तोड़ने के लिए प्रलोभन दे रही है। उन्हें विदेश यात्राओं का लालच दिया जा रहा है। भाजपा अपने जनप्रतिनिधियों की बाड़ाबंदी को प्रशिक्षण का नाम दे रही है और वहां शराब की पार्टियां आयोजित की जा रही हैं। यह भाजपा की कथनी और करनी के अंतर को उजागर करता है।

जूली ने कहा कि भाजपा नेताओं द्वारा कांग्रेस के जनप्रतिनिधियों और उनके परिवारों पर दबाव बनाने के लिए धमकियां तक दी जा रही हैं। उन्होंने बताया कि उनके पास एक ऑडियो रिकॉर्डिंग है, जिसमें भाजपा का एक नेता सरकारी कर्मचारी के परिवार से जुड़े कांग्रेस पार्षद को यह कहकर धमका रहा है कि आप सरकार के साथ रहिए, आप राज की नौकरी कर रहे हैं और राज का साथ नहीं दे रहे हैं।



भरतपुर में पशुधन निरीक्षक ने ऑफिस में किया सुसाइड

नोट में लिखा- स्टाफ परेशान करता है, दो अधिकारी मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे

भरतपुर(वि.सं.)। भरतपुर जिले में पशुधन निरीक्षक ने ऑफिस में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। एक दिन पहले से ऑफिस में रुके हुए थे। सुबह ग्रामीण पहुंचे कमरा अंदर से बंद था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गेट तोड़कर फंदे से उतारा। पुलिस को पुष्पेंद्र जाटव की जेब से सुसाइड नोट मिला।

सुसाइड नोट में लिखा - मुझे स्टाफ के लोग काफी परेशान करते हैं। इसलिए मैं सुसाइड कर रहा हूं। मैंने 2 साल पहले भी इन अधिकारियों की वजह से सुसाइड करने की कोशिश की थी। इनमें से एक अधिकारी ने पशु औषधालय में काम करने वाली एक महिला के साथ भी अभद्र व्यवहार किया था।

राजस्थान पुलिस

राजस्थान पुलिस खरीदेगी एंटी ड्रोन व्हीकल,96 करोड़ रुपये स्वीकृत

ड्रोन, जैमर, बीडीएस वैन और एंटी ड्रोन तकनीक से बढ़ेगी सुरक्षा; पुलिसकर्मियों को मिलेगी ट्रेनिंग

जयपुर। राजस्थान पुलिस को आधुनिक तकनीक और संसाधनों से लैस करने के लिए राज्य सरकार ने 96 करोड़ 82 लाख रुपए की स्वीकृति जारी की है। पुलिस आधुनिकीकरण योजना के तहत केंद्र और राज्य सरकार मिलकर यह राशि खर्च करेंगी। इसका



उद्देश्य पुलिस की निगरानी क्षमता, विशेष अभियानों और प्रशिक्षण व्यवस्था को मजबूत करना है। इसमें केंद्र सरकार का हिस्सा 58 करोड़ 9 लाख 23 हजार रुपए और राज्य सरकार का हिस्सा 38 करोड़ 78 लाख 82 हजार रुपए है। इस बजट के तहत एसओजी (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप), एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। बजट घोषणा 2026-27 के बिंदु संख्या 149.04.00 के तहत इन एजेंसियों के लिए कार्यालय, विशेष वाहन और आधुनिक उपकरण खरीदे जाएंगे।

शिक्षा व्यवस्था

राज्य सरकार के संकल्प और सतत प्रयासों से राजस्थान की सरकारी शिक्षा में व्यापक बदलाव

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकारी शिक्षा की बदल रही तस्वीर

- **अब तक 48,465 नई नियुक्तियों और 66,047 पदोन्नतियों की दी सौगात**
- **पांच वर्षों के बाद नामांकन में हुई वृद्धि,**
- **सरकारी विद्यालयों में नामांकन बढ़कर पहुंचा 73 लाख**
- **12,500 करोड़ रुपये से नये विद्यालय भवन, नवीन कक्षा कक्ष और मूलभूत सुविधाओं का होगा विकास,**

जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने शिक्षा को प्रदेश के सामाजिक और आर्थिक भविष्य की आधारशिला बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसके लिए शिक्षा व्यवस्था में जरूरी सुधार करते हुए सरकारी विद्यालयों में गुणवत्ता, समान अवसर, सुरक्षा और आधुनिक सुविधाओं के विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। 15 दिसम्बर 2023 से अब तक शिक्षक-कार्मिक प्रबंधन, नामांकन, परीक्षा परिणाम, बालिका शिक्षा, डिजिटल लर्निंग, समावेशी शिक्षा और विद्यालयी आधारभूत संरचना-हर प्रमुख क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप शिक्षा विभाग का लक्ष्य केवल योजनाओं का विस्तार नहीं, बल्कि ऐसी विश्वसनीय



सार्वजनिक शिक्षा व्यवस्था तैयार करना है जहां प्रत्येक बच्चा समय पर पाठ्य-पुस्तक पाए, योग्य शिक्षक से पढ़े, सुरक्षित और गरिमापूर्ण वातावरण में विद्यालय आए तथा तकनीक और आधुनिक संसाधनों तक समान पहुंच प्राप्त करे। राज्य सरकार ने नीति और नीयत से धरातल पर परिणाम उतारकर दिखाए हैं। सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता का सबसे मजबूत आधार शिक्षक और विभागीय कार्मिक हैं। इसी दृष्टि से विभिन्न संवर्गों में अब तक कुल 48,465 नई नियुक्तियां दी गई हैं। विद्यालयों में 19,000 सहायक कर्मचारियों की पदस्थापना की है। साथ ही 66,047 पदोन्नतियां प्रदान की गई हैं, जो पूर्ववर्ती सरकार के पूरे कार्यकाल में की गई 58,339 पदोन्नतियों से अधिक हैं। शिक्षा व्यवस्था को मजबूती देने के लिए उठाए गए इन कदमों से सरकारी विद्यालयों में नामांकन बढ़कर 73 लाख हुआ है।

जयपुरः 299 वर्षों की गौरवशाली विरासत, नियोजित नगरी से आधुनिक महानगर तक का सफर



लेखकः रमाकांत गोस्वामी
संपादक, द अनकवर्ड अपडेट समाचार पत्र

राजस्थान की राजधानी जयपुर केवल एक शहर नहीं, बल्कि इतिहास, संस्कृति, स्थापत्य कला, शौर्य, परंपरा और आधुनिक विकास का अद्भुत संगम है। अरावली की पहाड़ियों के बीच बसा यह शहर अपनी गुलाबी पहचान, भव्य महलों, ऐतिहासिक किलों, खूबसूरत बाजारों और मेहमाननवाजी के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। 18 नवंबर 1727 को महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय द्वारा बसाए गए इस शहर ने अपने 299 वर्षों के सफर में अनेक ऐतिहासिक पड़ाव देखे हैं। आज जयपुर अपनी स्थापना के 300वें वर्ष की ओर बढ़ रहा है। यह अवसर केवल उत्सव मनाने का नहीं, बल्कि अपनी विरासत को समझने, वर्तमान का मूल्यांकन करने और भविष्य के जयपुर की कल्पना करने का भी है।

जयपुर की स्थापना के पीछे एक दूरदर्शी सोच, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सुनियोजित नगर निर्माण की परिकल्पना थी। यही वजह है कि जयपुर को भारत के शुरुआती नियोजित शहरों में एक विशेष स्थान प्राप्त है।

जयपुर की स्थापनाः एक दूरदर्शी महाराजा का सपना

जयपुर की स्थापना आमेर के शासक महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय ने करवाई थी। उस समय आमेर उनकी राजधानी थी, लेकिन बढ़ती आबादी, सीमित स्थान और पानी की उपलब्धता जैसी चुनौतियों के कारण एक नई राजधानी की आवश्यकता महसूस होने लगी थी। महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय केवल कुशल शासक ही नहीं, बल्कि खगोल विज्ञान, गणित, वास्तुकला और विज्ञान में गहरी रुचि रखने वाले दूरदर्शी व्यक्तित्व थे। उन्होंने एक ऐसे शहर की कल्पना की, जहां आवास, व्यापार, प्रशासन, सुरक्षा और सार्वजनिक जीवन के लिए व्यवस्थित स्थान निर्धारित हों। इस महान कार्य के लिए वास्तुकार एवं नगर नियोजक विद्याधर भट्टाचार्य को जिम्मेदारी सौंपी गई। महाराजा के मार्गदर्शन में विद्याधर भट्टाचार्य ने भारतीय वास्तुशास्त्र, शिल्पशास्त्र, वास्तु सिद्धांतों और तत्कालीन नगर नियोजन की अवधारणाओं का समन्वय करते हुए जयपुर की रूपरेखा तैयार की। एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक तथ्य यह भी है कि सवाई जयसिंह द्वितीय के पिता महाराजा सवाई बिशन सिंह थे। इसलिए उनके पिता द्वारा 100 किलोमीटर की दूरी एक दिन में तय करने की शर्त वाली प्रचलित कहानी को प्रमाणित इतिहास के रूप में प्रस्तुत करना उचित नहीं है।













कैसा था जयपुर का मूल नक्शा और नगर निर्माण?

जयपुर का नगर नियोजन अपने समय की एक उल्लेखनीय उपलब्धि था। शहर को व्यवस्थित चौड़ी सड़कों, एक-दूसरे को समकोण पर काटते मार्गों और निर्धारित बाजारों के आधार पर विकसित किया गया।

शहर की मूल योजना में नौ चौकड़ियों या खंडों की परिकल्पना की गई थी। इनका संबंध पारंपरिक वास्तु एवं नियोजन सिद्धांतों से था। शहर के प्रमुख मार्गों को चौड़ा रखा गया, बाजारों को निर्धारित किया गया और व्यापारिक गतिविधियों के लिए अलग-अलग क्षेत्रों की व्यवस्था की गई। जयपुर के प्रमुख बाजारों की बनावट भी इसी योजना का हिस्सा थी। बाजारों के दोनों ओर एक समान शैली में दुकानें, उनके आगे बरामदे और ऊपर आवासीय भवन बनाए गए। इससे शहर को एकरूपता और विशिष्ट स्थापत्य पहचान मिली। शहर की सुरक्षा के लिए चारों ओर मजबूत परकोटे का निर्माण कराया गया। परकोटे में प्रवेश और निकास के लिए विशाल दरवाजे बनाए गए, जिनका उपयोग व्यापार, आवागमन और सुरक्षा व्यवस्था के लिए होता था। इस प्रकार जयपुर का निर्माण केवल महलों और इमारतों का समूह तैयार करने के उद्देश्य से नहीं हुआ, बल्कि एक ऐसी राजधानी विकसित करने के लिए हुआ, जहां शासन, व्यापार, सामाजिक जीवन और सुरक्षा का संतुलित ढांचा मौजूद हो।

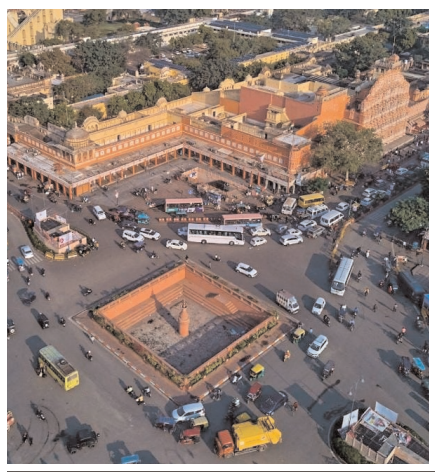



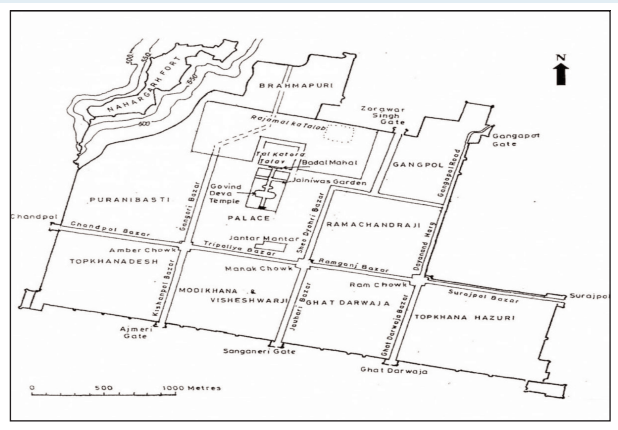

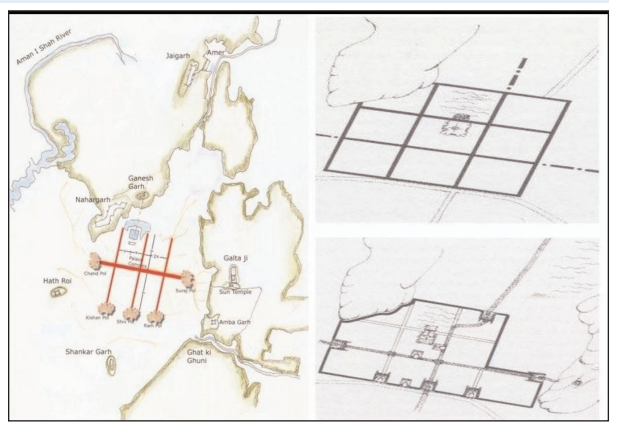







THE WALLED CITY OF JAIPUR DURING THE REIGN OF SAWAI JAI SINGH. THE GRID IRON PATERN BEING FOLLOWED BEING EVIDENT. THE TOP PORTION TOWARDS THE CENTER IS THE ADMIN AND MARKET AREA. REST ARE MAINLY RESIDENCES OF THE COMMONS.

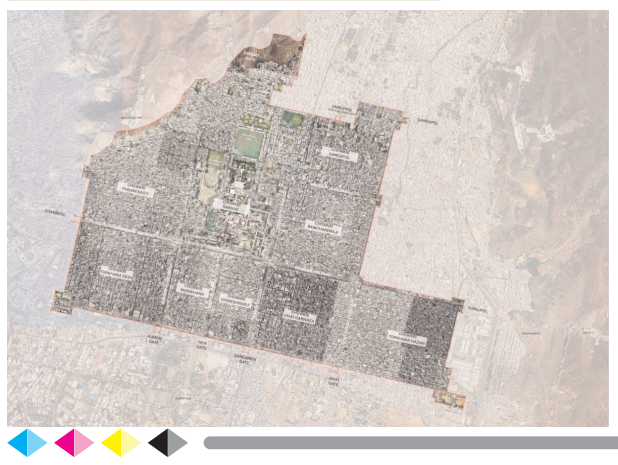

UNESCO विश्व धरोहर में जयपुर का गौरव

जयपुर की ऐतिहासिक और स्थापत्य विरासत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिली है। 6 जुलाई 2019 को जयपुर के परकोटे वाले ऐतिहासिक शहर को NESCO की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया।

यह सम्मान जयपुर की विशिष्ट नगर योजना, वास्तुकला, पारंपरिक बाजारों, चौपड़ों, ऐतिहासिक भवनों और जीवंत सांस्कृतिक परंपराओं को मिला। जयपुर इस सूची में शामिल होने वाला भारत का एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक नियोजित शहर है।

यह उपलब्धि केवल राजस्थान ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए गौरव का विषय है।

299 वर्षों का सफर और 300वें वर्ष की चुनौतियां

आज जयपुर 299 वर्षों की ऐतिहासिक यात्रा पूरी कर 300वें वर्ष की ओर बढ़ रहा है। जिस शहर की स्थापना एक व्यवस्थित राजधानी और व्यापारिक केंद्र के रूप में हुई थी, वह आज राजस्थान की प्रशासनिक, आर्थिक, शैक्षणिक, पर्यटन और सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बन चुका है। समय के साथ जयपुर का विस्तार परकोटे से निकलकर मानसरोवर, वैशाली नगर, मालवीय नगर, जगतपुरा, विद्याधर नगर, प्रताप नगर और अन्य नए क्षेत्रों तक पहुंच गया है। शहर में मेट्रो, फ्लाईओवर, नए आवासीय क्षेत्र, आधुनिक अस्पताल, शिक्षण संस्थान, व्यापारिक केंद्र और बेहतर परिवहन सुविधाओं का विस्तार हुआ है। जयपुर एयरपोर्ट और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे जैसे संपर्क मार्गों ने भी शहर की आर्थिक संभावनाओं को मजबूत किया है।

लेकिन विकास के इस सफर में कई चुनौतियां भी सामने आई हैं।

बढ़ता यातायात, पार्किंग की समस्या, जलभराव, पेयजल की उपलब्धता, प्रदूषण, कचरा प्रबंधन, पुराने बाजारों में अतिक्रमण और ऐतिहासिक इमारतों का संरक्षण आज गंभीर विषय हैं।

विशेष रूप से परकोटे की ऐतिहासिक पहचान को बचाए रखना जरूरी है। बाजारों की मूल वास्तुकला, बरामदे, हवेलियां, दरवाजे और परकोटे की दीवारें केवल पत्थर और ईंटों से बनी संरचनाएं नहीं हैं, बल्कि जयपुर की ऐतिहासिक आत्मा हैं।

जयपुर के परकोटे और ऐतिहासिक दरवाजे: सुरक्षा के साथ स्थापत्य की पहचान

जयपुर की ऐतिहासिक पहचान में यहां का परकोटा और उसके विशाल दरवाजे विशेष महत्व रखते हैं। शहर के चारों ओर सुरक्षा दीवार बनाई गई थी, जो तत्कालीन सुरक्षा व्यवस्था और नगर नियोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा थी। परकोटे में प्रवेश के लिए अलग-अलग दिशाओं में विशाल दरवाजे बनाए गए।

जयपुर की विरासत से संबंधित प्रमुख ऐतिहासिक दरवाजों में शामिल हैं:

सूरजपोल दरवाजा - शहर के पूर्वी हिस्से में स्थित, सूर्य की दिशा और उदय का प्रतीक।
चांदपोल दरवाजा - पश्चिमी दिशा में स्थित, सूरजपोल के सामने का प्रमुख प्रवेश द्वार।
अजमेरी गेट - दक्षिणी दिशा में स्थित, अजमेर की ओर जाने वाले मार्ग का प्रवेश द्वार।
सांगानेरी गेट - सांगानेर की ओर जाने वाले रास्ते से जुड़ा ऐतिहासिक दरवाजा।
घाट गेट - शहर के दक्षिणी हिस्से का महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार।
जोरावर सिंह गेट - उत्तरी दिशा में स्थित, आमेर की ओर जाने वाले मार्ग से जुड़ा दरवाजा।
न्यू गेट (नया दरवाजा) - दक्षिणी हिस्से में स्थित, बाद के दौर में विकसित प्रवेश द्वार।




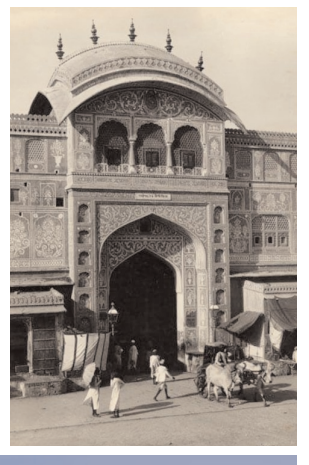




इनके अतिरिक्त नगर निगम के विरासत विवरण में गंगापोल और सम्राट गेट का भी उल्लेख मिलता है। ऐतिहासिक अभिलेखों में मूल और बाद में जोड़े गए दरवाजों की गिनती अलग-अलग मिलती है। हृश्वस्ष्ठ के दस्तावेजों में नौ नगर-द्वारों का उल्लेख है, जिनमें सात मूल और दो बाद में जोड़े गए बताए गए हैं। इसलिए जयपुर के दरवाजों की संख्या बताते समय इस ऐतिहासिक अंतर को समझना जरूरी है।

नौ चौकड़ियों का शहर: बाजार, चौपड़ और व्यवस्थित सड़कें

जयपुर की सबसे बड़ी विशेषता इसकी नौ चौकड़ियों वाली नगर संरचना है। शहर की मुख्य सड़कों को उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम दिशा में व्यवस्थित किया गया। ये सड़कें एक-दूसरे को समकोण पर काटती थीं। इनके बीच बने बड़े चौराहों को चौपड़ कहा गया।
शहर के प्रमुख चौपड़ हैं:
बड़ी चौपड़
छोटी चौपड़
रामगंज चौपड़
इन चौपड़ों के आसपास व्यापारिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियां विकसित हुईं। बाजारों में एक समान वास्तुशैली, दुकानों के आगे बरामदे और भवनों की एकरूपता जयपुर की पहचान बन गई।
शहर को व्यापारिक राजधानी के रूप में विकसित करने की योजना बनाई गई थी। अलग-अलग व्यवसायों और शिल्पकारों को स्थान दिया गया। रत्न-जवाहरात, कुंदन-मीना, लाख की चूड़ियां, वस्त्र, मूर्तिकला और हस्तशिल्प के लिए अलग-अलग बाजार विकसित हुए। आज भी जौहरी बाजार, त्रिपोलिया बाजार, किशनपोल बाजार, चांदपोल बाजार, बापू बाजार और नेहरू बाजार इस ऐतिहासिक व्यापारिक परंपरा को जीवित रखे हुए हैं।

जयपुर को गुलाबी नगरी क्यों कहा जाता है?

जयपुर की पहचान पूरी दुनिया में पिंक सिटी के नाम से है, लेकिन इस पहचान के पीछे भी एक ऐतिहासिक घटना है।
वर्ष 1876 में ब्रिटेन के प्रिंस ऑफ वेल्स (बाद में किंग एडवर्ड सप्तम) के जयपुर आगमन पर तत्कालीन महाराजा सवाई रामसिंह द्वितीय ने शहर के प्रमुख भवनों और बाजारों को गुलाबी रंग से सजवाया था। गुलाबी रंग को आतिथ्य और स्वागत का प्रतीक माना गया। इसके बाद शहर की गुलाबी स्थापत्य पहचान कायम रही। आज भी परकोटे के बाजारों और ऐतिहासिक भवनों में इस रंग की परंपरा दिखाई देती है। यही वजह है कि जयपुर दुनिया के सबसे विशिष्ट ऐतिहासिक शहरों में गिना जाता है।



जयपुर की पहचान: संस्कृति, खानपान और बाजार

जयपुर केवल ऐतिहासिक इमारतों का शहर नहीं, बल्कि जीवंत संस्कृति और परंपराओं का भी केंद्र है। यहां हिंदू, मुस्लिम, जैन, सिख सहित विभिन्न समुदायों के लोग आपसी भाईचारे के साथ रहते हैं। तीज, गणगौर, दीपावली, होली, ईद और अन्य त्योहार पूरे उत्साह के साथ मनाए जाते हैं।
राजस्थानी लोकसंगीत, घूमर, कालबेलिया, कठपुतली कला, पारंपरिक चित्रकारी और हस्तशिल्प यहां की सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध बनाते हैं।
जयपुर का खानपान भी इसकी पहचान का अहम हिस्सा है। प्याज कचौरी, मिर्ची बड़ा, दाल-बाटी-चूरमा, घेवर, गजक, मूंगथाल और टिपोरे जैसे पारंपरिक व्यंजन यहां आने वाले लोगों को राजस्थान के स्वाद से परिचित कराते हैं।
एमआई रोड, जौहरी बाजार, बापू बाजार, किशनपोल बाजार, चौड़ा रास्ता और हल्दियों का रास्ता खरीदारी के प्रमुख केंद्र हैं। यहां की पारंपरिक ज्वेलरी, सांगानेरी प्रिंट, ब्लू पॉटरी, लाख की चूड़ियां और हस्तशिल्प देश-विदेश में अपनी पहचान रखते हैं।

300वें वर्ष में कैसा होना चाहिए जयपुर का भविष्य?

मेरे विचार में जयपुर के 300वें वर्ष का स्वागत केवल सांस्कृतिक कार्यक्रमों, रोशनी और उत्सवों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। इस ऐतिहासिक अवसर को शहर के भविष्य की एक नई विकास योजना के रूप में भी देखना चाहिए।
इसके लिए कुछ महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है
ऐतिहासिक विरासत का संरक्षण: परकोटे, हवेलियों, दरवाजों और पुराने बाजारों का वैज्ञानिक तरीके से संरक्षण किया जाए। यातायात व्यवस्था: शहर में सार्वजनिक परिवहन को मजबूत किया जाए और पार्किंग की समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाए।
स्वच्छ और सुंदर जयपुर: कचरा प्रबंधन, सीवरेज और सफाई व्यवस्था को आधुनिक बनाया जाए।
जल संरक्षण: पारंपरिक बावड़ियों, तालाबों और जल संरचनाओं का पुनर्जीवन किया जाए।
पर्यटन विकास: जयपुर के ऐतिहासिक स्थलों को आधुनिक पर्यटन सुविधाओं से जोड़ा जाए।
युवाओं के लिए अवसर: शिक्षा, रोजगार, आईटी, स्टार्टअप और रचनात्मक उद्योगों को बढ़ावा दिया जाए।
हरित जयपुर: शहर में पार्क, हरित क्षेत्र और पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी जाए।
व्यापार और हस्तशिल्प: जयपुर के पारंपरिक कारीगरों, छोटे व्यापारियों और स्थानीय उद्योगों को नई पहचान और बाजार उपलब्ध कराया जाए।
जयपुर का विकास ऐसा होना चाहिए, जिसमें आधुनिक सुविधाएं भी हों और ऐतिहासिक विरासत भी सुरक्षित रहे।

मेरा जयपुर, मेरी पहचान

मेरा शहर जयपुर केवल राजस्थान की राजधानी नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की भावनाओं और सपनों का शहर है। इसकी सुबह मंदिरों की घंटियों से शुरू होती है, बाजारों की रौनक में दिन गुजरता है और शाम को ऐतिहासिक इमारतों की रोशनी इसकी खूबसूरती को और बढ़ा देती है। यहां की चाय, कचौरी, घेवर और गजक का स्वाद हो या चौपड़ों की रौनक, हवामहल के झरोखे हों या आमेर की भव्यता, जयपुर का हर कोना अपनी एक कहानी कहता है। इस शहर की सबसे बड़ी खूबसूरती इसकी विविधता और अपनापन है। यहां आने वाला हर व्यक्ति इस शहर से कुछ न कुछ यादें लेकर जाता है। देश-विदेश से आने वाले पर्यटक जयपुर की संस्कृति, इतिहास और मेहमाननवाजी से प्रभावित होते हैं। लेकिन एक नागरिक और एक पत्रकार होने के नाते मेरा मानना है कि हमें अपने शहर पर गर्व करने के साथ-साथ उसकी जिम्मेदारी भी समझनी होगी। केवल सरकार के प्रयासों से शहर सुंदर नहीं बन सकता। इसके लिए प्रत्येक नागरिक की भागीदारी जरूरी है। हमें अपनी ऐतिहासिक धरोहरों को नुकसान से बचाना होगा, स्वच्छता का ध्यान रखना होगा, यातायात नियमों का पालन करना होगा और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर जयपुर तैयार करना होगा।



विरासत का सम्मान, विकास का संकल्प

जयपुर की स्थापना एक दूरदर्शी सोच के साथ हुई थी। महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय ने जिस व्यवस्थित और सुंदर नगरी का सपना देखा था, विद्याधर भट्टाचार्य ने उसे स्थापत्य और नगर नियोजन के माध्यम से साकार किया। आज 299 वर्षों बाद हमारा दायित्व है कि हम उस ऐतिहासिक सोच को आगे बढ़ाएं। जयपुर की पहचान केवल उसके गुलाबी रंग से नहीं, बल्कि उसकी संस्कृति, विरासत, भाईचारे, व्यापारिक परंपरा और व्यवस्थित नगर निर्माण से है। 300वें वर्ष की दहलीज पर खड़ा जयपुर हम सभी से एक सवाल पूछ रहा है कि क्या हम आने वाली पीढ़ियों को वही सुंदर, व्यवस्थित और गौरवशाली शहर सौंप पाएंगे, जिसकी कल्पना इसके संस्थापक ने की थी? आइए, संकल्प लें कि हम अपने जयपुर की ऐतिहासिक पहचान को सुरक्षित रखेंगे और इसे आधुनिक, स्वच्छ, सुरक्षित, हरित एवं विकसित शहर बनाने में अपनी भागीदारी निभाएंगे। क्योंकि जयपुर केवल एक शहर नहीं, हमारी विरासत है, हमारी संस्कृति है और हमारी पहचान है।
जयपुर स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

जयपुर की ऐतिहासिक धरोहर: महल, किले और मंदिर

जयपुर की पहचान यहां के ऐतिहासिक स्मारकों से भी है। शहर और उसके आसपास अनेक ऐसे स्थल हैं, जो राजस्थान की शाही परंपरा और स्थापत्य कला की कहानी कहते हैं।
हवामहल: महाराजा सवाई प्रताप सिंह द्वारा 1799 में निर्मित यह पांच मंजिला इमारत अपनी 953 झरोखों वाली विशिष्ट बनावट के लिए प्रसिद्ध है।
सिटी पैलेस: जयपुर के शाही इतिहास और राजपरिवार की विरासत का प्रमुख केंद्र।
जंतर-मंतर: महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय की खगोल विज्ञान में रुचि का अद्भुत उदाहरण। यह NESCO विश्व धरोहर स्थल है।
आमेर किला: राजपूत स्थापत्य, शीशमहल और भव्य प्रांगणों के लिए प्रसिद्ध।
जयगढ़ किला: अपनी ऐतिहासिक सैन्य संरचना और जयवाण तोप के लिए जाना जाता है।
नाहरगढ़ किला: अरावली की पहाड़ियों से जयपुर शहर का खूबसूरत दृश्य प्रस्तुत करता है।
जलमहल: मानसागर झील के बीच स्थित यह महल जयपुर के सबसे आकर्षक दृश्यों में शामिल है।
अल्बर्ट हॉल संग्रहालय: राजस्थान की कला, इतिहास और पुरातात्विक धरोहर का महत्वपूर्ण संग्रहालय।
धार्मिक दृष्टि से भी जयपुर की अपनी विशेष पहचान है। गोविंद देवजी मंदिर, मोती डूंगरी गणेश मंदिर, गढ़ गणेश मंदिर, गलताजी और बिरला मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था के प्रमुख केंद्र हैं।



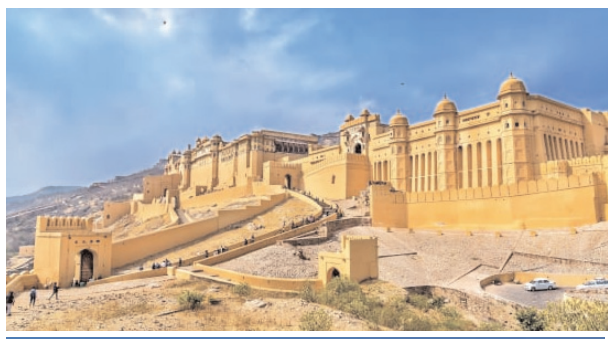
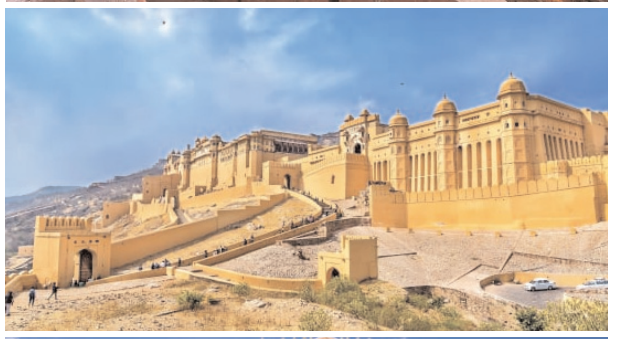




महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी कल से, भोपाल में गूंजेगा चक दे इंडिया

■ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे खेल परिसर का शुभारंभ, केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया एवं मंत्री विश्वास सारंग रहेंगे मौजूद ■ सुखविंदर सिंह देंगे प्रस्तुति

● भोपाल / खेल संवाददाता

भोपाल में आयोजित महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी 2026 के लिए मेजबान भारत सहित 6 देशों की टीमें नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर में प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हैं। 19 नवंबर से मुकाबले खेले जाएंगे। वहीं खेल परिसर के प्रथम चरण के शुभारंभ की तैयारियां तेज हो गई हैं।

मंगलवार को मध्यप्रदेश शासन के सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने जिला प्रशासन, पुलिस, नगर निगम, लोक निर्माण विभाग सहित विभिन्न संबंधित विभागों के प्रमुख अधिकारियों के साथ बैठक कर आयोजन की व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की तथा सभी आवश्यक तैयारियां समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के उपरांत मंत्री सारंग ने भारतीय महिला हॉकी टीम की खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया और प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं। मंत्री सारंग ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि खेल परिसर के प्रथम चरण का भव्य शुभारंभ 22 नवंबर को शाम 6 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में होगा। कार्यक्रम में केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया की विशेष उपस्थिति रहेगी। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग भी उपस्थित रहेंगे। मंत्री सारंग ने बताया कि समारोह का मुख्य आकर्षण गायक सुखविंदर सिंह की संगीतमय प्रस्तुति होगी। सुखविंदर सिंह ने चक दे इंडिया और जय हो जैसे लोकप्रिय गीतों से देश-दुनिया में अपनी विशेष पहचान बनाई है।



नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर में भारतीय महिला हॉकी टीम से मिले मंत्री खेल एवं सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

एशियन गेम्स पदक विजेता खिलाड़ियों का होगा सम्मान

मंत्री सारंग ने बताया कि शुभारंभ समारोह में महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी में भाग लेने वाली सभी छह देशों की महिला हॉकी टीमें मार्च पास्ट करेंगी। इसके साथ ही एशियन गेम्स में पदक जीतकर देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाले खिलाड़ियों का सम्मान भी किया जाएगा। इस आयोजन के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय महिला हॉकी खिलाड़ियों का स्वागत करने के साथ भारतीय खेल प्रतिभाओं की उपलब्धियों को भी सम्मानित किया जाएगा।

परिसर में सजेगा खेल गांव, दिखेगी मध्यप्रदेश की समृद्ध संस्कृति

मंत्री सारंग ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर में मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं और स्थानीय विशेषताओं को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से खेल गांव भी विकसित किया जाएगा। इसके माध्यम से देश-विदेश से आने वाले खिलाड़ियों, अधिकारियों एवं अतिथियों को मध्यप्रदेश की संस्कृति, कला और परंपराओं से परिचित होने का अवसर मिलेगा। खेल और संस्कृति के इस समन्वय से आयोजन को विशेष पहचान मिलेगी।

19 से 28 तक होगा महिला हॉकी का अंतरराष्ट्रीय मुकाबला

गौरतलब है कि महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी-2026 का आयोजन 19 से 28 नवंबर तक नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर में किया जाएगा। प्रतियोगिता में एशिया की छह शीर्ष भारत, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया और थाइलैंड की महिला हॉकी टीमें हिस्सा लेंगी। इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के माध्यम से भोपाल को वैश्विक खेल मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी। वहीं, अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर के प्रथम चरण का शुभारंभ इस आयोजन को प्रदेश की खेल अधोसंरचना के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बनाएगा।

डिफेन्डर की भूमिका में दिखेंगी आरएनटीयू की ज्योति सिंह

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आरएनटीयू) भोपाल की बीपीएड की छात्रा एवं अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी ज्योति सिंह का भोपाल में होने वाली एशियन चैंपियनशिप के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम में बतौर डिफेंडर चयन हुआ है। ज्योति के भारतीय टीम में चयन से विश्वविद्यालय सहित पूरे मध्यप्रदेश में हर्ष और गौरव का माहौल है। ज्योति सिंह इससे पूर्व जूनियर महिला हॉकी विश्व कप में भारतीय टीम की कप्तान रही हैं। वर्ष 2024 में आयोजित जूनियर एशिया कप में उन्होंने भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की कप्तान के रूप में नेतृत्व करते हुए देश को स्वर्ण पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2025 में हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में एसजी पाइपर्स टीम की ओर से खेलते हुए भी उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर अपनी खेल प्रतिभा का परिचय दिया।



ब्रीफ न्यूज

जिम्नास्टिक्स चैंपियनशिप में इंद्रांश अकादमी की कियारा कामदार ने जीते 4 स्वर्ण पदक



भोपाल, खेल संवाददाता। इंद्रांश अकादमी की कियारा कामदार ने इंदौर में आयोजित 70वीं राज्य स्तरीय जिम्नास्टिक्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण पदक अपने नाम किए।अंडर-14 बालिका वर्ग की रिदमिक जिम्नास्टिक्स प्रतियोगिता में कियारा ने बॉल, रिबन और हूप तीनों उपकरणों में स्वर्ण पदक हासिल किए। इसके साथ ही उन्होंने ऑल-अराउंड स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीतकर ऑल-अराउंड चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। कियारा की इस सफलता में इंद्रांश अकादमी की कोच शुमायला खान का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कियारा अब कोलकाता में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय जिम्नास्टिक्स चैंपियनशिप में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी। अकादमी प्रबंधन एवं कोचिंग टीम ने कियारा को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं।

मध्यप्रदेश की गौरांशी शर्मा ने नेशनल डेफ सीनियर स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में जीता ब्रॉन्ज



भोपाल, खेल संवाददाता। मध्य प्रदेश की मूक-बधिर बैडमिंटन खिलाड़ी गौरांशी शर्मा ने एक बार फिर प्रदेश का नाम रोशन किया है। केरल के तिरुवनंतपुरम में आयोजित 28वीं नेशनल डेफ सीनियर स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में गौरांशी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए बैडमिंटन के सीनियर वर्ग में कांस्य पदक जीता। यह प्रतियोगिता 12 से 16 नवंबर तक जिमी जॉर्ज इंडोर स्टेडियम, वेल्लयंबलम में आयोजित हुई। इसमें देशभर के राज्यों से बधिर खिलाड़ियों ने बैडमिंटन, टेबल टेनिस और टेनिस में हिस्सा लिया। इस चैंपियनशिप का आयोजन ऑल इंडिया स्पोर्ट्स काउंसिल ऑफ द डेफ और केरल स्पोर्ट्स काउंसिल ऑफ द डेफ ने किया। इस साल डेफलिंपिक के 100 साल पूरे होने पर यह चैंपियनशिप और भी खास रही। गौरांशी ने अपनी मजबूत इच्छा शक्ति और धैर्यपूर्ण खेल से सभी को प्रभावित किया। कड़े मुकाबलों के बीच उन्होंने पदक पक्का कर मध्य प्रदेश की झोली में एक और मेडल डाल दिया।

मॉडल स्कूल ने जीते 5 स्वर्ण एवं दो रजत पदक



भोपाल, खेल संवाददाता। 70वीं संभाग स्तरीय शालेय सेपक टकरा खेल प्रतियोगिता रायसेन में आयोजित होने जा रही है, जिसमें विद्यालय के अंडर-19 बालक वर्ग में अमृत एवं प्रथम , अंडर 17 बालक वर्ग में निखिल एवं प्रियांशु तथा अंडर 14 बालक वर्ग में लक्ष्य , अरनव एवं काव्यांश भोपाल जिले की टीम में सहभागिता करेंगे । इससे पूर्व जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में अन्दर 19 तथा अंदर 14 बालक वर्ग में चयनित खिलाड़ियों को स्वर्ण पदक के साथ प्रथम स्थान मिला था तथा अंडर 17 बालक वर्ग ने दूसरे स्थान पर रहकर रजत पदक हासिल किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य रेखा शर्मा, उप्राचार्य डॉक्टर ममता दीक्षित, खेल अधिकारी दीवान चंद्र मौली एवं समस्त विद्यालय स्टाफ ने बधाई दीं।

आईपीएल नीलामी से पहले स्टार्क, हेड, बोल्ट, मुस्ताफिजुर और पथिराना रिलीज

आरसीबी के बेथेल और राजस्थान के हेटमायर भी बाहर

● नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क और ट्रेविस हेड कों अगले माह होने वाली आईपीएल की नीलामी से पहले उनकी फ्रेंचाइजी ने रिलीज कर दिया। मुंबई के ट्रेंट बोल्ट, आरसीबी के जैकब बेथेल और राजस्थान के शिमरोन हेटमायर भी रिलीज किए गए। केकेआर ने कैमरन ग्रीन को बरकरार रखा जबकि मुस्ताफिजुर रहमान को रिलीज कर दिया है। मथीशा पथिराना को भी रिलीज कर दिया है।



शमी में आरआर पहुंचे



भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी आईपीएल के 2027 सत्र में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते नजर आएंगे। एलएसजी और राजस्थान रॉयल्स के बीच खिलाड़ियों की अदला-बदली हुई है। इसके तहत शमी और बाएं हाथ के स्पिनर एम. सिद्धार्थ राजस्थान रॉयल्स से जुड़ेंगे।

10 टीमों द्वारा रिलीज किए गए खिलाड़ी

गुजरात टाइटंस: ईशांत शर्मा, ल्यूक वुड, कुलवंत खेजरोलिया, शाहरुख खान, कॉनर एस्टरहुइजन।

लखनऊ सुपर जाएंट्स: आवेश खान, एनरिक नॉर्त्जे, वानिंदु हसरंगा, मैथ्यू ब्रीट्जके, जॉर्ज लिंडे, नमन तिवारी, अर्शिन कुलकर्णी।

राजस्थान रॉयल्स: एडम मिल्ने, क्वेना मफाका, तुषार देशपांडे, कुलदीप सेन, युधवीर सिंह, विग्नेश पुथुर, रवि सिंह, शिमरॉन हेटमायर।

दिल्ली कैपिटल्स: मिचेल स्टार्क, नीतीश राणा, अभिषेक पोरेल, पाथुम निसांका, बेन डकेट, करुण नायर, साहिल परख, दुश्मंथा चमीरा, रेहान अहमद, अजय मंडल।

केकेआर: मथीशा पथिराना, मुस्तफिजुर रहमान, तेजस्वी सिंह दहिया, रचिन रवींद्र, अजिंक्य रहाणे, आकाश दीप, ब्लेसिंग मुजरबानी, नवदीप सैनी, राहुल त्रिपाठी, उमरान मलिक, दक्ष कामरा, लवनिथ सिसोदिया।

सनराइजर्स हैदराबाद: ट्रेविस हेड, कामिंदु मेंडिस, जयदेव उनादकट, दिलशान मदुशंका, ओंकार तरमले, अमित कुमार, शिवम मावी, गेराल्ड कोएट्जे, डेविड पेन।

आरसीबी: मंगेश यादव, जैकब बेथेल, रिचर्ड ग्लीसन, सात्विक देसवाल, विहान मल्होत्रा।

सभी टीमों के पास बची हुई राशि

लखनऊ सुपर जायंट्स	47.45 करोड़
कोलकाता नाइट राइडर्स	41.65 करोड़
सनराइजर्स हैदराबाद	40.15 करोड़
दिल्ली कैपिटल्स	39.50 करोड़
मुंबई इंडियंस	32.60 करोड़
चेन्नई सुपर किंग्स	28.05 करोड़
राजस्थान रॉयल्स	27.05 करोड़
पंजाब किंग्स	18.60 करोड़
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	14.15 करोड़
गुजरात टाइटंस	8.75 करोड़



मनु आईएसएसएफ की खिलाड़ी समिति के लिए चुनी गई

नई दिल्ली, आरएनएन। दोहरी ओलंपिक पदक विजेता और पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर को अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) की खिलाड़ी समिति में 2026 से 2030 के कार्यकाल के लिए चुना गया है।

मनु उन 10 उम्मीदवारों में शामिल थीं जिन्होंने निशानेबाजी की इस स्पर्धा का प्रतिनिधित्व करने वाले दो पदों के लिए चुनाव लड़ा था।

इस महीने नामांकन के दौरान मनु ने खिलाड़ियों को केंद्र में रखकर खेल के विकास का दृष्टिकोण पेश किया था। उन्होंने दुनिया भर के निशानेबाजों के लिए अधिक सहयोगपूर्ण, टिकाऊ और प्रगतिशील माहौल तैयार करने पर जोर दिया था। उनकी प्रमुख प्राथमिकताओं में ओलंपिक कार्यक्रम में पुरुषों की 25 मीटर रेपिड फायर पिस्टल स्पर्धा को बरकरार रखने और उसका दीर्घकालिक भविष्य सुरक्षित करने के लिए प्रयास करना शामिल था।

भारत ने पाकिस्तान को 2-1 से रौंदकर जीती सैफ चैंपियनशिप

भारतीय फुटबाल टीम ने 10वीं बार जीता खिताब



● नई दिल्ली

भारतीय फुटबॉल टीम ने एक बार फिर अपना दबदबा साबित करते हुए सैफ चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया है। मंगलवार को ढाका में खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 2-1 से हराकर रिकॉर्ड 10वीं बार ट्रॉफी जीत ली।

इसके साथ ही भारतीय टीम ने लगातार तीसरी बार यह खिताब अपने नाम करते हुए जीत की हैट्रिक भी पूरी कर ली। खास बात यह रही कि भारतीय टीम ने दूसरे दर्जे की टीम के साथ मैदान पर उतरने के बावजूद खिताब जीतने में सफलता हासिल की। मुकाबले में एक समय पाकिस्तान की टीम बढ़त बनाए हुए थी, लेकिन दूसरे हाफ में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार वापसी करते हुए मैच का रुख पलट दिया।मुकाबले की शुरुआत में पाकिस्तान की टीम ने आक्रामक खेल दिखाया।

पहले आधे घंटे में पाकिस्तानी खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला। इस दौरान पाकिस्तान ने कुल 9 शॉट लगाए, जिनमें से 2 निशाने पर रहे। वहीं, भारतीय टीम इस दौरान सिर्फ 2 शॉट लगा सकी और उसका एक भी प्रयास लक्ष्य पर नहीं था।

हालांकि, भारतीय टीम ने 35वें मिनट के आसपास गोल करने के कुछ अच्छे मौके बनाए, लेकिन उन्हें भुनाने में नाकाम रही। पहले हाफ के इंजरी टाइम में पाकिस्तान ने मुकाबले का पहला गोल दाग दिया। अलमगीर गाजी ने 45+1वें मिनट में शानदार राइट फुटेड शॉट लगाकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी।

आर्यन 98 रन बनाकर आउट, शतक से चूके



● भोपाल / खेल संवाददाता

मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एमपीसीए) अंडर-22 परमानंदभाई पटेल ट्रॉफी फेथ क्रिकेट क्लब ग्राउंड में शुरू हुई। भोपाल डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष ध्रुव नारायण सिंह ने उद्घाटन किया। गुरुवार को जबलपुर और भोपाल के बीच मुकाबला शुरू हुआ। भोपाल ने पहले दिन 90 ओवर में 5 विकेट खोकर 295 रन बनाए। आर्यन साहनी ने 145 गेंदों पर 12 चौकों की मदद से 98 रनों की शानदार पारी खेली। शतक से दो रन दूर रह गए।

चार तेज गेंदबाजों के साथ उतरेगा भारत

न्यूजीलैंड के खिलाफ कल से शुरू होगा पहला टेस्ट मुकाबला

● वेलिंगटन

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने मंगलवार को कहा कि टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला में निश्चित रूप से चार तेज गेंदबाजों के साथ खेलेगी और इसके साथ ही उन्होंने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की फॉर्म और फिटनेस को लेकर जताई जा रही चिंताओं को भी खारिज कर दिया। गिल ने गुरुवार से यहां शुरू होने वाली दो टेस्ट मैच की श्रृंखला से पहले कहा, हम निश्चित रूप से चार तेज गेंदबाजों के साथ मैदान पर उतरेंगे। भारतीय कप्तान ने हाल में एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान युवा तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा, हमारे सभी तेज गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है और यह टीम के लिए अच्छी चुनौती है। भारत ने वनडे श्रृंखला में 3-1 से जीत हासिल की थी। जसप्रीत बुमराह की वापसी से भारतीय आक्रमण को मजबूती मिलेगी। तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ को भी स्पिनर कुलदीप यादव की जगह टेस्ट टीम में लिया गया है।



भारत की संभावित प्लेइंग-11

यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल (विकेटकीपर), शुभमन गिल (कप्तान), देवदत्त पडिक्कल/साई सुदर्शन, ऋषभ पंत, वॉशिंगटन सुंदर/रवींद्र जडेजा, नीतीश कुमार रेड्डी, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, गुरनूर बराड़।

न्यूजीलैंड की संभावित प्लेइंग-11

डेवोन कॉनवे, विल यंग, हेनरी निकोल्स, रचिन रवींद्र, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टॉम लाथम (कप्तान और विकेटकीपर), नाथन स्मिथ, मैट हेनरी, काइल जेमीसन, जैकब डफी।

ताइक्वांडो में भोपाल बना ओवरऑल चैंपियन



● भोपाल

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में संपन्न हुई। प्रतियोगिता में भोपाल नोडल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों में ओवरऑल चैंपियन बनने की उपलब्धि हासिल की।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)

दिन	रात
129 = 2	246 = 2
157 = 3	570 = 2

शुभांक

दिन	रात
135 = 9	369 = 8
147 = 2	467 = 7

भाग्यांक

0 6 7 9

www.kalyangame.com

स्नूकर

आईबीएसएफ वर्ल्ड स्नूकर चैंपियनशिप में विश्व के दिग्गज क्यू स्पोर्ट्स खिलाड़ियों ने टेबल पर दिखाया कौशल

पंकज आडवाणी, मनन चंद्रा और कमल चावला जीते, केतन हारे

● इंदौर

भारतीय बिलियर्ड्स एवं स्नूकर महासंघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर मध्य प्रदेश बिलियर्ड्स एवं स्नूकर संघ के तत्वावधान में शहर के यशवंत क्लब में आईबीएसएफ वर्ल्ड स्नूकर चैंपियनशिप खेली जा रही है।

विश्व के दिग्गज 48 खिलाड़ियों को 12 ग्रुपों में बांटा गया है। मंगलवार को विश्व स्नूकर चैंपिययनशिप में अर्जुन पुरस्कार, पद्म भूषण, पद्म श्री से सम्मानित 29 बार के विश्व खिताबधारी पंकज आडवाणी ने फिलिपिंस के माइकल मेंगोरियो को 4-1 से पराजित किया। भारत के मनन चंद्रा ने हांगकांग चाइना के लांगी रयान ली को 4-2 से पराजित किया।

प्रदेश के कमल चावला ने जर्मनी के क्रिश्चियन क्रिश्चियन रिक्टर को 4-1 से पराजित किया। वहीं केतन चावला को ग्रुप सी में हार का सामना करना पड़ा। अपने पहले मुकाबले में हांग कांग चाइना के वांग यूचेन ने केतन को 4-1 से मात दी।



महिला वर्ग में अनुपमा व अमी की आसान जीत



महिला वर्ग में ग्रुप ए में भारत की गत चैंपियन अनुपमा रामचंद्रन ने फ्रांस की ओफेली लावल को आसानी से 2-0 से पराजित किया। चैंपियन अनुपमा के सधे हुए खेल के आगे फ्रांसीसी खिलाड़ी के पास कोई जवाब नहीं था। दोनों फ्रेम में अनुपमा हावी रही। वहीं स्थानीय खिलाड़ी अमी कमानी ने भी अपने ग्रुप डी में जोरदार शुरुआत की है। अपने पहले मुकाबले में उन्होंने भारत की ही 16 वर्षिय अफिफा फखरूद्दीन को आसानी से 2-0 से हराया।

विनिसियस जूनियर की हैट्रिक से ब्राजील ने सिंगापुर को रौंदा

● सिंगापुर / राज न्यूज नेटवर्क

विनिसियस जूनियर की पहले हाफ में लगाई गई शानदार हैट्रिक के दम पर ब्राजील ने मंगलवार को साल 2026 के अपने आखिरी फुटबॉल मुकाबले में सिंगापुर को 7-0 से करारी शिकस्त दी। पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील के कोच कार्लो एंसेलोटी को यह मुकाबला दर्शकदीर्घा में बैठकर देखना पड़ा। शनिवार को जापान के खिलाफ 2-3 से मिली हार के दौरान उन्हें रेड कार्ड दिखाया गया था। जापान के खिलाफ हार में ब्राजील के दोनों गोल करने वाले रीयाल मैड्रिड के स्टार फॉरवर्ड विनिसियस ने सिंगापुर के खिलाफ भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने मुकाबले के शुरुआती 21 मिनट में ही तीन गोल दाग दिए।

पीएम ने समुद्री सुरक्षा, मजबूत सप्लाई चेन और नई तकनीक पर दिया जोर

क्वाड का लक्ष्य पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र को भरोसेमंद समाधान देना: मोदी

● नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को फिलीपींस की राजधानी मनीला में क्वाड नेताओं की बैठक में कहा कि भारत इस समूह को रचनात्मक और भरोसेमंद साझेदारी के रूप में देखता है। क्वाड का लक्ष्य पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए भरोसेमंद समाधान उपलब्ध कराना है। उन्होंने समुद्री सुरक्षा, विश्वसनीय सप्लाई चेन, नई तकनीक और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मनीला का क्वाड के साथ ऐतिहासिक जुड़ाव रहा है। वर्ष 2007 में चारों देशों के अधिकारी पहली बार इसी शहर में मिले थे। इसके बाद 2017 में यहीं से समूह के बीच संवाद दोबारा शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि एक बार फिर मनीला में बैठक होना क्वाड की यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है। मोदी ने सदस्य देशों के बीच बढ़ते सहयोग का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले वर्ष जनवरी से अब तक चारों देशों के विदेश मंत्री पांच बार मिल चुके हैं। यह साझेदारी के प्रति राजनीतिक इच्छाशक्ति और साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।



100 साल पुराने गुरुद्वारे में टेका मत्था

फिलीपींस दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मनीला स्थित ऐतिहासिक खालसा दीवान गुरुद्वारे भी पहुंचे। यहां उन्होंने मत्था टेका और गुरुद्वारे के पुनर्विकास कार्य की आधारशिला रखी। इस दौरान फिलीपींस के सीनेटर फ्रांसिस जोसेफ एस्कुडेरो और मनीला के मेयर फ्रांसिस्को इस्को मोरेनो सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री ने गुरुद्वारे में अरदास और मत्था टेकने की तस्वीरें सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा कीं। उन्होंने लिखा, मनीला में गुरुद्वारा खालसा दीवान में आकर बहुत धन्य महसूस कर रहा हूं। उन्होंने सिख समुदाय की सेवा भावना और गुरु साहिबों की



शिक्षाओं का भी उल्लेख किया। विदेश मंत्रालय के अनुसार, खालसा दीवान गुरुद्वारे की स्थापना 1901 में हुई थी। वर्ष 1903 में इसे औपचारिक रूप से संगठित किया गया और 1924 में खालसा दीवान के रूप में पंजीकृत किया गया।

सहयोग के अगले चरण के लिए तय होंगे लक्ष्य

प्रधानमंत्री ने क्वाड को आगे बढ़ाने में सदस्य देशों के नेताओं के योगदान, निरंतर समर्थन और नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि मनीला में हो रही बैठक से सहयोग के अगले चरण के लिए ठोस लक्ष्य तय किए जा सकेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्वाड का सहयोग केवल बैठकों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र की साझा चुनौतियों का समाधान तलाशना और सदस्य देशों के बीच व्यावहारिक सहयोग को आगे बढ़ाना है।

25 घंटे के लिए भारत दौरे पर आएंगे नेपाली पीएम बालेन शाह

मोदी से होगी द्विपक्षीय वार्ता, दिल्ली से बाहर नहीं जाएंगे

● नई दिल्ली

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह 22 नवंबर को अपने पहले विदेशी दौरे पर भारत आएंगे। वह करीब 25 घंटे दिल्ली में रुकेंगे और 23 नवंबर को नेपाल लौट जाएंगे। इस दौरान उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से करीब 30 मिनट की द्विपक्षीय बैठक होगी।

बैठक में नेपाल की ओर से मांगे गए 2 अरब डॉलर के आर्थिक पैकेज, हवाई मार्ग, बिजली और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण पर चर्चा होने की उम्मीद है। नेपाल ने पैकेज में एक अरब डॉलर कर्ज, 50 करोड़ डॉलर अनुदान और 50 करोड़ डॉलर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण के लिए मांगे हैं।



2 अरब डॉलर के आर्थिक पैकेज, हवाई मार्ग, बिजली और रेल संपर्क पर चर्चा की उम्मीद

नेपाल अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए महेंद्रनगर, नेपालगंज, भैरहवा और जनकपुर के रास्ते खोलने की मांग भी उठाएगा। इसके अलावा बिजली निर्यात बढ़ाने, पेट्रोलियम पाइपलाइन के विस्तार और अयोध्या-जनकपुर रेल सेवा पर भी बातचीत हो सकती है।

भारत ने बालेन शाह को बेंगलुरु और अहमदाबाद ले जाने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन उन्होंने दिल्ली से बाहर जाने से इनकार कर दिया। दौरे के दौरान वह दोनों देशों के उद्योगपतियों की बैठक को भी संबोधित करेंगे।

साइबेरिया में सैन्य परिवहन विमान हुआ क्रैश, सभी 17 लोगों की मौत

● मॉस्को

रूस के दक्षिण-पश्चिमी साइबेरिया के केमेरोवो क्षेत्र में मंगलवार को एक सैन्य परिवहन विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में विमान में सवार सभी 17 लोगों की मौत हो गई। रूसी मीडिया आउटलेट इजवेस्टिया के मुताबिक, दुर्घटनाग्रस्त विमान एएन-12 था। हादसा क्षेत्र के यागुनोवो गांव के पास हुआ।

केमेरोवो के गवर्नर इल्या सेरेड्युक ने मैसेजिंग प्लेटफॉर्म मैक्स पर विमान दुर्घटना की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि आपातकालीन सेवाओं की टीमें घटनास्थल पर पहुंच गई हैं और क्षेत्रीय प्रशासन की ओर से जरूरी सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि विमान उड़ान के दौरान आग की लपटों से घिर गया था। इसके बाद वह तेजी से नीचे आया और जमीन से टकराते ही उसमें जोरदार विस्फोट हो गया। रिपोर्ट्स में विमान का मलबा करीब 500 मीटर के दायरे में बिखरने की बात भी कही गई है। गवर्नर सेरेड्युक ने बताया कि वह घटनास्थल के लिए रवाना हो रहे हैं। मौके पर राहत और बचाव दल के साथ पुलिस, चिकित्सा एवं आपातकालीन सेवाओं को तैनात किया गया है।



दुर्घटना के कारणों की जांच जारी

फिलहाल विमान दुर्घटना की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। संबंधित अधिकारी हादसे की परिस्थितियों की जांच कर रहे हैं। रूस के रक्षा मंत्रालय की ओर से भी घटना पर कोई आधिकारिक टिप्पणी सामने नहीं आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विमान नोवोसिबिर्स्क से क्रास्नोयार्स्क क्षेत्र के कांसक जा रहा था। एएन-12 सोवियत दौर का चार इंजन वाला सैन्य मालवाहक विमान है, जिसका इस्तेमाल सैनिकों और सैन्य उपकरणों के परिवहन के लिए किया जाता है। इसका उत्पादन 1970 के दशक की शुरुआत में बंद हो गया था।

ईरान में बस पलटने से 13 की मौत, 14 घायल

तेहरान, आरएनएन। ईरान के इलाम प्रांत में शनिवार शाम एक बस पलटने से 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 अन्य घायल हो गए। घायलों को आबदानान के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बीबीसी पर्शियन के मुताबिक, बस में दहलरान के एनजीएल परिसर में काम करने वाली ओयिको कंपनी के कर्मचारी सवार थे। हादसे के बाद अधिकारियों की कथित लापरवाही के विरोध में अस्पताल के बाहर प्रदर्शन की खबरें हैं। ईरान की यातायात पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जानकारी 24 घंटे के भीतर दी जाएगी।

घायलों को आबदानान के अस्पताल में कराया गया है भर्ती

लंदन में अवामी लीग-एनसीपी समर्थकों में झड़प, 10 घायल

नाहिद इस्लाम के सम्मान कार्यक्रम में हुआ हंगामा

● लंदन

ब्रिटेन की राजधानी लंदन के रोमफोर्ड इलाके में सोमवार रात बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग और नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के समर्थकों के बीच झड़प हो गई।

घटना एनसीपी नेता और सांसद नाहिद इस्लाम के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान हुई। एनसीपी के मीडिया सेल के मुताबिक, हिंसा में 10 लोग घायल हुए हैं। मेफेयर हॉल में आयोजित कार्यक्रम के बाहर जमा अवामी लीग समर्थकों ने कथित तौर पर कार्यक्रम में पहुंच रहे लोगों पर अंडे और पानी की बोतलें फेंकीं। कार्यक्रम खत्म होने के बाद दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। हालात काबू करने के लिए पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। नाहिद इस्लाम सुरक्षित पीछे के रास्ते से निकल



गए। नाहिद इस्लाम ने अवामी लीग समर्थकों पर हमला करने का आरोप लगाते हुए ब्रिटिश प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग की है। वह 2024 में शेख हसीना सरकार के खिलाफ हुए छात्र आंदोलन के प्रमुख नेताओं में शामिल थे। बाद में उन्होंने अन्य छात्र नेताओं के साथ एनसीपी का गठन किया था।

होर्मुज में भारतीय नाविकों वाले टैंकर पर मिसाइल हमला

नई दिल्ली, आरएनएन। होर्मुज जलडमरूमध्य में 16 नवंबर को पनामा के झंडे वाले एलपीजी टैंकर तारा गैस को मिसाइल हमले में निशाना बनाया गया। जहाज पर 24 भारतीय समेत 25 क्रू सदस्य सवार थे। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल के अनुसार, सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। हालांकि, बाद की जानकारी में एक भारतीय के लापता होने की खबर सामने आई है।

सोनोवाल ने कहा कि संबंधित अधिकारी जहाज प्रबंधन कंपनी के संपर्क में हैं और नाविकों की सुरक्षा पर नजर रख रहे हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य भारत के तेल और गैस आयात के लिए महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है। यहां बढ़ते तनाव से अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ी है।

त्योहार के बाद लौट रहे यात्रियों की भीड़ संभालने के लिए रेलवे ने बढ़ाईं व्यवस्थाएं

रेल मंत्री वैष्णव कर रहे परिचालन और यात्री सुविधाओं की लगातार निगरानी

● प्रयागराज

बिहार से त्योहार के बाद लौट रहे यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए भारतीय रेलवे ने प्रमुख रेलवे जोनों में भीड़ प्रबंधन के उपाय तेज कर दिए हैं। यात्रियों की सुरक्षित और सुगम यात्रा के लिए विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव यात्रियों की आवाजाही और परिचालन तैयारियों की वास्तविक समय में निगरानी कर रहे हैं।

मंत्री ने पटना, मुजफ्फरपुर, राजेंद्र नगर, दरभंगा और दानापुर सहित बिहार के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन और यात्री सुविधाओं की समीक्षा की। रेलवे बोर्ड के निर्देश पर उत्तर पूर्व रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे और उत्तर रेलवे समन्वित तरीके से वापसी की भीड़ को नियंत्रित करने में जुटे हैं। प्रयागराज, आगरा और झांसी मंडलों के साथ उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में नियंत्रण कक्ष सक्रिय किए गए हैं। यहां अधिकारी यात्रियों की आवाजाही पर नजर रख रहे हैं। प्लेटफार्मों पर प्रवेश नियंत्रित करने, ट्रेनों का समयबद्ध संचालन सुनिश्चित करने और मांग के अनुसार विशेष अनारक्षित व आरक्षित ट्रेनें चलाने के लिए टीमें तैनात की गई हैं।

होल्डिंग एरिया में बढ़ाईं गई सुविधाएं

अधिक भीड़ वाले स्टेशनों पर प्लेटफार्मों पर भीड़ रोकने के लिए होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं। इनमें बैठने, पेयजल, स्वच्छता, उद्घोषणा प्रणाली और ट्रेनों की जानकारी के लिए संकेतक लगाए गए हैं। पश्चिमी औद्योगिक केंद्रों की ओर जाने वाले यात्रियों की संख्या को देखते हुए उधना स्टेशन पर भीड़ नियंत्रण और यात्री सुविधाओं को मजबूत किया गया है। फुट ओवरब्रिज, प्रवेश-निकास द्वार और अन्य आवाजाही वाले क्षेत्रों में वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और बच्चों की सहायता के लिए रेलवे सुरक्षा बल, राजकीय रेलवे पुलिस, वाणिज्यिक कर्मचारियों और चिकित्सा टीमों की चौबीसों घंटे तैनाती की गई है।

बर्फीली वादियों में परिवार संग छुट्टियां मना रहे किम जोंग

मॉस्को, आरएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ संभावित मुलाकात की अटकलों के बीच उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन परिवार के साथ बर्फीली वादियों में समय बिताते नजर आए। उन्होंने 15-16 नवंबर को माउंट पेक्टू के पास स्थित समजीयोन पर्यटन क्षेत्र का दौरा किया। उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए ने मंगलवार को दौरे की तस्वीरें जारी कीं। इनमें किम बर्फ के बीच सोफे पर बैठकर सिगरेट पीते और मुस्कुराते नजर आए। उनकी पत्नी री सोल जू भी साथ थीं। इस दौरान किम अपनी बेटी जू ए को स्कीइंग करते देखते दिखाई दिए। दौरे के दौरान किम ने स्की सुविधाओं और होटलों का निरीक्षण किया।

भारत-जापान के बीच इस सप्ताह टोक्यो में चौथी 2+2 वार्ता, रक्षा सहयोग बढ़ाने पर होगा मंथन...

● नई दिल्ली

भारत और जापान के बीच इस सप्ताह टोक्यो में चौथी 2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता होगी। इसमें भारत की ओर से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर शामिल होंगे।

जापान की तरफ से रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी और विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी हिस्सा लेंगे। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, बैठक में रक्षा उपकरणों और तकनीक में सहयोग, समुद्री सुरक्षा तथा दोनों देशों की सेनाओं के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास बढ़ाने पर चर्चा होगी। इसके अलावा हिंद-प्रशांत क्षेत्र को स्वतंत्र, खुला और शांतिपूर्ण बनाए रखने पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। राजनाथ सिंह 18 और 19 नवंबर को जापान दौरे पर रहेंगे। इस दौरान उनकी जापानी रक्षा मंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक भी होगी। इस साल दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों की यह तीसरी मुलाकात होगी। इससे पहले अगस्त में नई दिल्ली और अक्टूबर में फिलीपींस के सेबू में दोनों की मुलाकात हुई थी। बैठक में रक्षा क्षेत्र की कंपनियों के बीच साझेदारी बढ़ाने और भविष्य में रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने के उपायों पर भी चर्चा होगी।



राजनाथ सिंह और एस. जयशंकर टोक्यो में करेंगे बैठक

हसीना की वापसी की अटकलों के बीच ढाका में 2 बम धमाके

ढाका, आरएनएन। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के पास दो देसी बम धमाके हुए। इनमें तीन राहगीर घायल हो गए। पहला धमाका एयरपोर्ट के बाहरी गेट और दूसरा जसीमुद्दीन में फ्लाईओवर के पास हुआ। घटना के बाद एयरपोर्ट और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ा दी गई। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की दिसंबर में संभावित वापसी की अटकलों के बीच देश में तनाव बना हुआ है। गोपालगंज में करीब दो हजार पुलिसकर्मी और बीजीबी की 10 टुकड़ियां तैनात की गई हैं।

ईरान के डर्टी बम के हमले की आशंका से अमेरिका में अलर्ट

● वॉशिंगटन

अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को आशंका है कि ईरान वॉशिंगटन डीसी में ट्रंप प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को निशाना बनाने की योजना बना रहा है। खुफिया जानकारी से जुड़े सात अमेरिकी अधिकारियों ने डर्टी बम या रासायनिक हथियारों से हमले की आशंका जताई है। इसके बाद राजधानी में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, ईरान ने हमले के संभावित ठिकानों और लक्ष्यों पर विचार किया है। कुछ अधिकारियों को संदेह है कि रेडियोधर्मी पदार्थ या रासायनिक एजेंट पहले ही अमेरिका पहुंचाए जा चुके हैं। हालांकि, इस जानकारी की पुष्टि नहीं हुई है और तत्काल हमले का कोई ठोस संकेत नहीं मिला है।

क्या है डर्टी बम?

डर्टी बम पारंपरिक विस्फोटक उपकरण होता है, जिसमें रेडियोधर्मी पदार्थ मिलाए जाते हैं। विस्फोट के बाद ये पदार्थ आसपास फैलकर क्षेत्र को दूषित कर सकते हैं। यह परमाणु बम नहीं है और इसमें परमाणु विस्फोट नहीं होता।

आज का इतिहास

- **1727:** महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय ने जयपुर शहर की स्थापना की।
- **1772:** मराठा साम्राज्य के चौथे पेशवा माधवराव प्रथम का निधन हुआ।
- **1918:** लातविया ने रूस से अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की।
- **1928:** वॉल्ट डिज्नी की फिल्म स्टीमबोट विली रिलीज हुई। इसी फिल्म से मिकी माउस को लोकप्रिय पहचान मिली।
- **1945:** महात्मा गांधी ने पुणे में अखिल भारतीय प्राकृतिक चिकित्सा फाउंडेशन ट्रस्ट के दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए।
- **1955:** भाखड़ा-नांगल बांध का निर्माण शुरू हुआ।
- **1962:** भारत-चीन युद्ध के दौरान लद्दाख के रेजांग ला में भारतीय सैनिकों ने अदम्य साहस का परिचय दिया।

अनोखा अंदाज अर्थशॉट प्राइज 2026 के फाइनलिस्ट से मिलने अनोखे अंदाज में पहुंचे ब्रिटेन के शाही दंपति, इलेक्ट्रिक ऑटो से किया सफर

मुंबई में प्रिंस विलियम ने खुद चलाया ई-रिक्शा, पीछे बैठीं केट मिडलटन

● मुंबई

ब्रिटेन के प्रिंस विलियम और प्रिंसेस केट मिडलटन मंगलवार को मुंबई में एक अलग अंदाज में नजर आए। शाही दंपति महंगी कारों और काफिले के बजाय खुद इलेक्ट्रिक रिक्शा से बांद्रा-वर्ली सी लिंक प्रोमेनेड स्थित कार्यक्रम स्थल पहुंचे। प्रिंस विलियम ने ऑटो की कमान संभाली, जबकि केट पीछे की सीट पर बैठीं। ऑटो पर अर्थशॉट प्राइज का लोगो लगा था।

कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर प्रिंस विलियम ने पहले ऑटो से उतरकर केट के लिए दरवाजा खोला। इसके बाद दोनों हाथों में हाथ डालकर कार्यक्रम में पहुंचे। केट ने मुस्कुराते हुए कहा, यहां पहुंचने का सबसे बेहतरीन तरीका यही था। शाही दंपति का यह वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में है। दोनों मुंबई में अर्थशॉट प्राइज 2026 के 15 फाइनलिस्ट से मिलने पहुंचे थे। ये फाइनलिस्ट पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन से जुड़ी समस्याओं के समाधान पर काम कर रहे हैं। इस पुरस्कार की शुरुआत प्रिंस विलियम ने 2020 में की थी। इसके तहत हर साल पांच विजेताओं को चुना जाता है।



प्रत्येक विजेता को अपने पर्यावरण संबंधी समाधान को आगे बढ़ाने के लिए 10 लाख पाउंड की राशि दी जाती है। इस वर्ष भारत की महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी और महिला हाउसिंग ट्रस्ट भी पुरस्कार के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए हैं। अर्थशॉट प्राइज के तहत जलवायु परिवर्तन, वायु प्रदूषण, कचरा प्रबंधन, समुद्री संरक्षण और जैव विविधता से जुड़े समाधानों को प्रोत्साहित किया जाता है।

मेट्रो का भी लिया लुत्फ



भारत दौरे के दौरान शाही दंपति ने सोमवार को मुंबई के बैलार्ड एस्टेट में गली क्रिकेट खेला था। इस दौरान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर भी मौजूद थे। प्रिंस विलियम ने कुछ बाउंड्री भी लगाईं। दोनों ने मुंबई मेट्रो की एक्वा लाइन में सफर किया और मेट्रो नेटवर्क में काम करने वाली महिलाओं तथा ब्रिटिश कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। शाही दंपति ने सोमवार रात अर्थशॉट प्राइज 2026 इम्पैक्ट असेंबली में भी हिस्सा लिया।

THE UNCOVERED UPDATE
सच जो छुपा था, अब सामने है
हिन्दी समाचार पत्र
राजस्थान अपडेट
धरोहर, विकास और जनहित की खबर
| Digital Edition | RJHIN/25/A4779
बुधवार, 18 नवंबर, 2026

जयपुर में पूर्व-मेयर के घर के सामने कैफे में आग:लोगों ने अवैध संचालन-फायर सेफ्टी इंतजाम नहीं होने के लगाए आरोप



द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। जयपुर में एक कैफे में आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कैफे के अंदर रखा फर्नीचर, मशीनें और अन्य सामान जलकर राख हो गया। घटना बाबा हरिश्चंद्र मार्ग पर सोमवार देर रात करीब 1 बजे की है। आग की लपटें और धुआं उठता देख कॉलोनीवासियों ने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। इसके बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद करीब सवा घंटे में आग पर काबू पाया।

प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। हालांकि आग के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

कैफे में फायर सेफ्टी इंतजाम नहीं होने का आरोप

स्थानीय कॉलोनीवासियों का आरोप है कि आवासीय क्षेत्र में कैफे और रेस्टोरेंट अवैध रूप से संचालित हो रहे हैं। इनमें फायर सेफ्टी के पर्याप्त इंतजाम और सुरक्षा उपकरण भी नहीं हैं। लोगों ने कहा- यदि आग आसपास के मकानों तक फैल जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था।

पूर्व मेयर के पति ने सोशल मीडिया पर उठाए सवाल

पूर्व मेयर ज्योति खंडेलवाल के पति शरद खंडेलवाल ने भी आग का वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि पूर्व मेयर के घर के सामने एक हवेली में कई परिवार रहते हैं। इसी हवेली के बाहर नगर निगम के बिना लाइसेंस के कथित रूप से संचालित कॉफी रेस्टोरेंट में आग लगी।

पोस्ट में उन्होंने आरोप लगाया कि आवासीय क्षेत्र में देर रात तक रेस्टोरेंट संचालित हो रहे हैं। हवेली में गुजराती दाबेली वाला और सीसीटीवी कैफे व रेस्टोरेंट सहित कई दुकानें चल रही हैं।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

शरद खंडेलवाल ने पोस्ट में आरोप लगाया कि दुकानों के अतिक्रमण के कारण ट्रैफिक बाधित होता है। स्थानीय निवासियों की ओर से बार-बार शिकायत करने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने का दावा भी किया। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि आग से कोई जनहानि होती या बड़ा हादसा हो जाता तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेता?

जयपुर में सोडाला से गुर्जर की थड़ी तक हटाएंगे अतिक्रमण

हाईकोर्ट के आदेश के बाद कल हो सकती कार्रवाई; 40 से ज्यादा निर्माण टूटेंगे



द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। जयपुर के सोडाला से गुर्जर की थड़ी तक न्यू सांगानेर रोड से जेडीए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कल यानी 18 नवंबर को कर सकता है। राजस्थान हाईकोर्ट से मिले आदेशों के बाद आज जेडीए ने इसकी तैयारियां शुरू कर दी। करीब ढाई किलोमीटर लंबाई की इस सड़क को 100 फीट चौड़ा किया जाएगा, जिस पर 40 से ज्यादा निर्माण प्रभावित हो रहे है।

सूत्रों के मुताबिक कल जो कार्रवाई प्रस्तावित है, वह विवेक विहार स्टेशन से पहले पिल्लर नंबर 84 से शुरू होकर पिल्लर नं. 102 के बीच की जाएगी। मास्टर प्लान में इस रोड की चौड़ाई 100 फीट प्रस्तावित है, जबकि जगह-जगह स्थायी और अस्थायी अतिक्रमण के कारण ये सड़क कई जगहों पर 80 फीट तक ही रह गई है।

आपको बता दें कि अक्टूबर में भी जेडीए ने गुर्जर की थड़ी से विवेक विहार स्टेशन तक अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की थी। लेकिन बाद में आमजन की तरफ से दर्ज करवाई आपत्ति के बाद आगे की कार्रवाई को रोक दिया था।

हाईकोर्ट ने दिया 2 सप्ताह का समय

एक दिन पहले ही हाईकोर्ट ने इस प्रकरण में सुनवाई करने के बाद जेडीए को दो सप्ताह में अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए थे। अतिक्रमण हटाने के बाद दो सप्ताह में जेडीसी को कोर्ट में रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए है। इस मामले पर अगली सुनवाई 7 दिसंबर को होनी है।

गहलोत बोले-पूर्व उपराष्ट्रपति-धनखड़ को अब तक बंगला क्यों नहीं दिया: कहा- अभी मैं दिल्ली और राजस्थान कहीं इन्वोल्व नहीं, मैं थां सूं दूर नहीं

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा- पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को रिटायरमेंट के बाद या फिर अगर इस्तीफा दे दें, तब भी टाइप 8 बंगला मिलता है। पूर्व राष्ट्रपति, पूर्व उपराष्ट्रपति और पूर्व प्राइम मिनिस्टर तीनों को मिलता है। गहलोत ने कहा- धनखड़ साहब को दो साल से अधिक समय हो गया, अभी तक कोई हलचल ही नहीं है वहां बंगले की। ये रहें कहां? ये कोई अपने दोस्त के फार्म हाउस में रह रहे हैं, ये तो उचित नहीं है। प्रधानमंत्री को चाहिए कि वे इस मामले में हस्तक्षेप करें। गहलोत ने दिल्ली से लौटने के बाद जयपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत करते हुए यह कहा।

वहीं पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने राजस्थान की सियासत में आगे भी सक्रिय रहने के संकेत देते हुए पुराना बयान दोहराया है। कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बनने की दौड़ में शामिल होने की चर्चाओं पर गहलोत ने कहा- ये बातें मैं तीन साल से सुन रहा हूं। मैं अभी न राजस्थान में इन्वॉल्व हूं, न दिल्ली में इन्वॉल्व हूं।



दुनिया के लोग आते हैं तो मिलने की रखते हैं इच्छा

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा- दुनिया के लोग बाहर से आते हैं तो वे पूर्व उपराष्ट्रपति, पूर्व राष्ट्रपति, पूर्व पीएम से मिलने की इच्छा रखते हैं, उनसे चर्चा करते हैं। हमारे प्रवासी लोग भी बाहर से आते हैं, उनको भी मिलना होता है। पूर्व उपराष्ट्रपति के पद की गरिमा के अनुकूल आप व्यवहार नहीं कर रहे हो। आपने खुद इनको गवर्नर और फिर उपराष्ट्रपति बनाया, हमने थोड़ी बनाया था। उपराष्ट्रपति रहे हुए आदमी का एक अलग ओरा होता है। उन्हें बंगला दिया जाना चाहिए।

तीन साल से सुन रहा हूं, ऐसी बात नहीं

मुझे कभी इसके बारे में कोई हिंट भी नहीं दिया गया। तीन साल से लगातार सुन रहा हूं। मैं क्या-क्या बन रहा हूं, तो कोई ऐसी बात नहीं है। वहीं गहलोत ने कहा- मैं जो काम कर रहा हूं, राजस्थान के अंदर, मैं थां सूं दूर नहीं। मैं दिल से चाहता हूं कि मैं राजस्थान वालों की सेवा करूं। किसी भी पद पर रहूं या नहीं रहूं, लेकिन सेवा मैं राजस्थान वालों की करूं, ये मेरे दिल के अंदर है। यही मेरी भावना है और आगे भी यही मेरी भावना रहेगी।

मैंने दिन की बात कह दी, फिर भी हाईकमान का फैसला सर्वोपरि

अशोक गहलोत ने कहा- वैसे तो हाईकमान का फैसला सर्वोपरि रहा है आज तक पूरी जिंदगी के अंदर, आगे भी रहेगा। जहां मुझे कहा जाएगा। जिम्मेदारी कोई हो, वो मैं लेने से मना नहीं कर सकता, वो अलग बात है। मैंने मेरे दिल की बात कह दी आपको। पार्टी ने विश्वास किया 55 साल तक और विभिन्न पदों पर मुझे जिम्मेदारी दी गई, मैंने निभाई। इसलिए मेरा कर्तव्य बनता है, मेरा धर्म बनता है कि पार्टी के लिए मैं क्या कर सकता हूं, क्या काम आ सकता हूं। पार्टी का इंटरेस्ट मेरे लिए सर्वोपरि रहेगा।

बीजेपी और आरएसएस का लोकतंत्र में यकीन नहीं: गहलोत

गहलोत ने कहा- अभी मेरी नजर में पार्टी की सेवा करने का मतलब है देश की सेवा करना। देश से लोकतंत्र को बचाना है, जो खतरे में है। ये जो ताकतें सत्ता में बैठी हुई हैं, ये फासिस्ट लोग हैं। बीजेपी और आरएसएस का लोकतंत्र में यकीन नहीं है। अगर यहां वोटों का राज चाहते हैं तो इनका मुकाबला पूरे मुल्क को करना पड़ेगा। अगर हम चाहते हैं कि यहां लोकतंत्र मजबूत रहे तो जरूरी है कि हम सब चिंता करें।

सोनिया की किताब में जिक्र पर गहलोत बोले- इसका मीनिंग निकालने की जरूरत नहीं

सोनिया गांधी की किताब में खुद के जिक्र के सवाल पर गहलोत ने कहा- किताब में ऐसा कोई चैप्टर नहीं लिखा हुआ है मेरे बारे में। ये तो एक प्रकार से उन्होंने अपना अनुभव बताया कि मैं इन लोगों को जानती थी। पहले से ही जब राजीव जी दौरे करते थे। वो भी कई बार साथ आती थीं। इंदिरा गांधी के वक्त से पहचान थी, तो उन्होंने बताया कि ये लोग मुख्यमंत्री तक पहुंचे बाद में। पीसीसी प्रेसिडेंट बने, मुख्यमंत्री बने तो ये उनकी भावना है, उन्होंने उसमें रखी है। आपको इसका मीनिंग निकालने की जरूरत नहीं है।

शिवजीत-पल्लवी की शादी में जहीर खान-सागरिका ने निभाई रस्म

अजीत अगरकर मुंबई रवाना; जयपुर एयरपोर्ट पर धनखड़-गहलोत भी आए नजर

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जहीर खान के परिवार में शादी समारोह संपन्न होने के बाद अब मेहमानों की जयपुर से विदाई का सिलसिला शुरू हो गया है।

जयपुर में शिवजीत घाटगे और पल्लवी के विवाह समारोह में क्रिकेट और बॉलीवुड जगत से जुड़ी जानी-मानी हस्तियों की मौजूदगी रही। जहीर खान और सागरिका घाटगे ने दोनों का गठबंधन कराया।

वहीं, अजीत अगरकर जयपुर से मुंबई के लिए रवाना हुए। जयपुर एयरपोर्ट पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी नजर आए।

दो दिन तक चले शादी समारोह के अलग-अलग कार्यक्रमों में मेहमानों ने शिरकत की। शादी के बाद मंगलवार को कई मेहमान जयपुर एयरपोर्ट से मुंबई के लिए रवाना हुए।

सुबह जल्दी अभिनेता आशीष चौधरी मुंबई के लिए रवाना हुए। वहीं दोपहर में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर परिवार के साथ मुंबई के लिए निकले। शादी समारोह में क्रिकेट जगत के कई बड़े चेहरे शामिल हुए थे।

बारात में जहीर खान के साथ पूर्व क्रिकेटर पार्थिव पटेल और आशीष नेहरा भी नजर आए। वहीं फिल्म 'चक दे इंडिया' फेम अभिनेत्री विद्या मालवड़े ने भी शादी के कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।



जहीर और सागरिका ने किया शिवजीत-पल्लवी का गठबंधन

शिवजीत घाटगे और पल्लवी ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ सात फेरे लिए। शादी का एक खास पल तब देखने को मिला, जब जहीर खान और सागरिका घाटगे ने दोनों का गठबंधन किया। इस दौरान परिवार के सदस्यों और मेहमानों ने नवदंपती को शुभकामनाएं दीं।

शादी समारोह के दौरान हल्दी, मेहंदी और बारात सहित कई कार्यक्रम हुए थे। इन कार्यक्रमों के वीडियो और तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

खासतौर पर बारात में क्रिकेटर्स की मौजूदगी और जहीर खान के पारंपरिक राजस्थानी अंदाज को लोगों ने खूब पसंद किया।

एयरपोर्ट पर पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी आए नजर

शादी के मेहमानों की रवानगी के बीच जयपुर एयरपोर्ट पर मंगलवार दोपहर पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी पत्नी के साथ नजर आए। हाल ही में अस्वस्थ होने के कारण उन्हें दिल्ली स्थित एम्स में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में उपचार के बाद अब सार्वजनिक रूप से उनकी मौजूदगी देखने को मिली।

सोनिया गांधी के पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में शामिल हुए थे गहलोत

वहीं राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी मंगलवार को जयपुर एयरपोर्ट पर नजर आए। गहलोत हाल ही में सोनिया गांधी की पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दिल्ली गए थे। कार्यक्रम में शिरकत करने के बाद वे दिल्ली से वापस जयपुर पहुंचे हैं।

युवक पर फायरिंग कर थार में भागे बदमाश

दुकान के बाहर बाइक-पिकअप में की तोड़फोड़, सीसीटीवी में नजर आए



द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। जयपुर में आपसी रंजिश में एक युवक पर फायरिंग का मामला सामने आया है। थार सवार हमलावरों ने एक दुकान के बाहर खड़ी पिकअप और बाइक में तोड़फोड़ की। इसके बाद वहां काम करने वाले एक युवक पर फायरिंग कर भाग गए।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हमलावरों में से एक युवक नौकरी से निकाले जाने के बाद युवक से रंजिश रखने लगा था।

पुलिस ने हमलारों की तलाश के लिए नाकाबंदी करवाई लेकिन कुछ पता नहीं चला। मामला नारायण विहार थाने का है। हमले का एक वीडियो भी सामने आया है।

नौकरी से निकाले जाने के बाद हुई थी रंजिश

पुलिस ने बताया कि नारायण विहार में हरिओम धर्मकांटा के पास निरंकार बजरी सप्लायर नाम से दुकान है। दुकान पर महेन्द्र (34) और सचिन नाम का युवक काम करता था। साल 2021 में सचिन को काम से निकाल दिया गया था। इसके बाद से सचिन और महेन्द्र की आपसी रंजिश हो गई थी।

पुरानी रंजिश के चलते सोमवार रात करीब 12 बजे सचिन दुकान पर पहुंचा और बाहर खड़ी दो पिकअप और बाइक में तोड़फोड़ कर फरार हो गया। थार जीप में अपने दो-तीन साथियों के साथ आज तड़के करीब 3:30 बजे दोबारा दुकान पर आया। गाली-गलौच कर महेन्द्र को बाहर बुलाया।

उसके बाहर आते ही फायर कर दिया। महेन्द्र ने जान बचाने के लिए गेट बंद कर लिया, जिसके बाद दो ओर फायर किए। फायरिंग कर थार जीप सवार बदमाश मौके से फरार हो गए। नारायण विहार थाना पुलिस फायरिंग की सूचना पर मौके पर पहुंची और नाकाबंदी करवाई।

पोलिंग पार्टी और पुलिसकर्मियों को लाठी-डंडों से पीटा: RO समेत 5 घायल, मतपेटियां लेकर भागे; हार के बाद गेट तोड़कर घुसे थे समर्थक

द अनकवर्ड अपडेट

धौलपुर। धौलपुर जिले की राजाखेड़ा पंचायत समिति की नागर ग्राम पंचायत में सोमवार रात मतगणना के दौरान 3 वोट से हार के बाद एक प्रत्याशी के समर्थकों ने हंगामा किया। आरोप है कि 40 से 50 लोग मतगणना कक्ष का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे और पोलिंग पार्टी और पुलिसकर्मियों को लाठी-डंडों से पीटा। घटना में रिटर्निंग ऑफिसर रतन सिंह, मोबाइल पार्टी इंचार्ज एएसआई श्रीकेश और मतदान केंद्र पर तैनात कॉन्स्टेबल सीताराम सहित कुल 5 लोग घायल हो गए। हमले के बाद आरोपी मतपेटियां लेकर भाग गए। घायलों को राजाखेड़ा अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें जिला अस्पताल भेज दिया गया।



3 वोट से हार के बाद रिकाउंटिंग कराई

रतन सिंह ने बताया कि देर रात करीब 11 बजे बंद कमरे में प्रत्याशियों की मौजूदगी में मतगणना हुई। प्रत्याशी रजनी को 723 और अन्नेश को 720 वोट मिले। रजनी तीन वोट से जीतीं। हार के बाद अन्नेश ने दोबारा मतगणना की मांग की। नियमानुसार फिर से गिनती कराई गई, जिसमें भी रजनी को 723 और अन्नेश को 720 वोट मिले।

काउंटिंग रूम के गेट तोड़कर घुसे 40 से 50 समर्थक

आरोप है कि नतीजे से नाराज अन्नेश के 40 से 50 समर्थक मतगणना कक्ष में घुसे और पोलिंग पार्टी के सदस्यों से मारपीट की। रतन सिंह को बचाने पहुंचे एएसआई श्रीकेश और कॉन्स्टेबल सीताराम को भी लाठी-डंडों से पीटा गया। इसके बाद आरोपी मतपेटियां लेकर भाग गए।

कलेक्टर और एसपी ने बरामद कराई मतपेटियां

घायलों को राजाखेड़ा अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें जिला अस्पताल भेज दिया गया। रतन सिंह के मुताबिक सूचना मिलने पर जिला कलेक्टर श्रीनिधि बीटी और एसपी विकास सांगवान पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस ने मतपेटियां बरामद कराई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्वामी और प्रकाशक बुधमती गोस्वामी एवं मुद्रक ताराचंद कुमावत द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर छपवाकर/मुद्रित कर, 10 MA, आईजी नगर, जगतपुरा,जयपुर, राजस्थान - 302017 से प्रकाशित किया। प्रधान संपादक: बुधमती गोस्वामी एवं संपादक: रमाकान्त गोस्वामी, उप संपादक - मोनिका शर्मा, पीआरजीआई नं. RJHIN/25/A 4779 ब्रांच ऑफिस: 18k3, पंकज सिंघवी मार्ग, ज्योति नगर, जयपुर-302002, मो. नं. 7610866001, हैल्प लाईन नं.: 8946840063, ईमेल आईडी: editor.the uncoveredupdate@gmail.com, वेबसाइट: www.theuncoveredupdate.com (इस अंक में